राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

मध्यप्रदेश राजस्थान हरियाणा छत्तीसगढ़ महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17 | 5 गौतम गंभीर भारतीय टीम से जुड़ने के लिए ऑस्ट्रेलिया लौ | सम्पादकीय | राष्ट्रपति बनने से पहले ही ट्रंप की भारत समेत ब्रिक्स देशों को | पाकिस्तान टीम ने पहली बार ब्लाइंड 5

वर्ष 11 अंक 278 E-mail: dholpur@hotmail.com जयपुर, बुधवार 04 दिसम्बर 2024 ई-पेपर के लिए लॉगऑन करें -www.hindustanexpress.online मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

तारीख पर तारीख के दिन खत्म - पीएम मोदी

प्रधानमंत्री ने नये कानूनों को लागू करने की समीक्षा की

आर.एन.एस.

चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार (3 दिसंबर) को चंडीगढ़ के पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज में 3 नए कानूनों को लागू करने की समीक्षा की। इस दौरान गृह मंत्री अमित शाह भी उनके साथ रहे। यहां उन्होंने चंडीगढ़ में लागू किए गए कानूनों भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम का डेमो भी देखा।

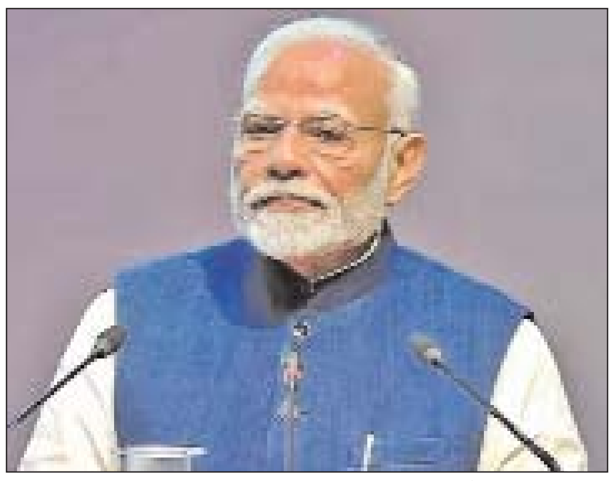

पहले गृह मंत्री अमित शाह ने संबोधन में कहा कि नए कानूनों के बाद हमें अंग्रेजों के जमाने के गुलाम क्रिमिनल सिस्टम से छुटकारा मिल गया है। अब तारीख पर तारीख का खेल खत्म हो गया है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अब तारीख पर तारीख के दिन लद गए यानी खत्म हो गए हैं। नए कानूनों से आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई मजबूत होगी। भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में आने वाली कानूनी अड़चन दूर होगी।

लोगों ने सोचा, अंग्रेज चले गए तो उनके कानूनों से मुक्ति मिलेगी

पीएम मोदी ने कहा कि अंग्रेजों के खिलाफ देश में 1857 में विद्रोह शुरू हुआ था। उसके बाद 1860 में अंग्रेजों ने आईपीसी बनाई। इन कानूनों का मकसद भारतीय को दंड देना, उन्हें गुलाम बनाना था। कई लोगों के बलिदान के बाद 1947 में देश को आजादी मिली। जब आजादी की सुबह आई तो कैसे-कैसे सपने थे, लोगों में कितना उत्साह था। लोगों ने सोचा था कि अंग्रेज चले गए हैं तो अंग्रेजों के कानूनों से भी मुक्ति मिलेगी। यह कानून अंग्रेजों के शोषण करने का जरिया थे, जिनसे वह भारत में अपनी सत्ता मजबूत करना चाहते थे।

आजादी के बाद भी गुलामों के लिए बने कानून ढोते रहे

मोदी ने आगे कहा कि देश की आजादी के दशकों के बाद भी हम उसी दंड संहिता के इर्द-गिर्द घूमते रहे। हालांकि इन कानूनों में थोड़ा-बहुत बदलाव जरूर हुआ, लेकिन इनका चरित्र वही बना रहा। आजाद देश में गुलामों के लिए बने कानूनों को क्यों ढोया जाए, न हमने यह बात उनसे पूछी, न ही शासन कर रहे लोगों ने समझी।

भारत और चीन के रिश्तों में मामूली सुधार लेकिन कई इलाकों में अभी भी विवाद - जयशंकर

आर.एन.एस.

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को भारत-चीन सीमा विवाद पर संसद को जानकारी दी। विदेश मंत्री ने सदन में कहा कि भारत और चीन बातचीत और कूटनीति के जरिए सीमा विवाद सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं। पूर्वी लद्दाख में पूरी तरह से डिसइंगेजमेंट हो चुका है। हालांकि एलएसी पर अभी भी कई इलाकों में विवाद है। भारत का मकसद ऐसा समाधान निकालना है, जो दोनों देशों को मंजूर हो।

उन्होंने कहा, 2020 के बाद से भारत और चीन के रिश्ते सामान्य नहीं हैं। बॉर्डर पर शांति भंग हुई थी, तब से दोनों देशों के रिश्ते ठीक नहीं हैं। हालांकि हाल ही में हुई बातचीत से स्थिति में कुछ सुधार हुआ है। विदेश मंत्री ने बताया कि भारत और चीन के बीच रिश्ते बेहतर करने के लिए मेरी चीनी विदेश मंत्री से बातचीत हुई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी अपने समकक्ष चीनी नेता से बातचीत की। इसके अलावा राजनयिक स्तर पर वर्किंग मैकेनिज्म फॉर कोऑपरेशन एंड कोऑर्डिनेशन और सैन्य स्तर पर सीनियर हाईएस्ट मिलिट्री कमांडर्स बैठकें होती हैं। जून 2020 से अब तक डब्लूएमसीसी की 17 और एसएचएमसी की 21 बैठकें हुईं, तब जाकर 21 अक्टूबर 2024 को देपसांग और डेमचोक क्षेत्रों पर समझौता हुआ। सितंबर 2022 से इन मुद्दों पर चर्चा चल रही थी, जब हॉट स्प्रिंग्स पर अंतिम समझौता हुआ था।

संसद में अडाणी मुद्दे पर विपक्ष के प्रदर्शन से सपा-टीएमसी का किनारा

चुनाव की वजह से संभल में हिंसा हुई, यह सोची समझी साजिश - अखिलेश

आर.एन.एस.

नई दिल्ली। संसद सत्र के छठवें दिन मंगलवार को अडाणी और संभल हिंसा पर एक बार फिर हंगामा हुआ। संसद के बाहर विपक्षी इंडिया ब्लॉक ने अडाणी और संभल मुद्दे पर चर्चा की मांग को लेकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। विपक्ष इसकी जांच के लिए जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी की मांग कर रहा है। हालांकि इस प्रदर्शन में तृणमूल कांग्रेस और समाजवादी पार्टी शामिल नहीं हुई।

सपा सांसद अखिलेश यादव ने कहा, संभल में जो घटना हुई, वह एक सोची-समझी साजिश है। ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि उत्तर प्रदेश में चुनाव था। अफसरों पर एफआईआर होनी चाहिए। अखिलेश यादव के बयान पर सपा सांसद राम गोपाल यादव ने कहा, किसी अधिकारी के खिलाफ मुकदमा कायम नहीं हुआ। जो संभल में हुआ उसी आधार पर बदायूं, जौनपुर और अजमेर शरीफ में जो हो रहा है ये सारे देश में आग लगाने की साजिश है कि नहीं? उन्होंने कहा- 24 नवंबर को सुबह 6 बजे पूरे संभल में पुलिस तैनात कर दी गई। संभल के लोगों को पता ही नहीं था कि पुलिस क्यों तैनात की जा रही है। कुछ देर बाद एसपी, डीएसपी, वकील और कुछ लोग पुलिस के साथ ढोल बजाते हुए मस्जिद में घुस गए। भीड़ को शक था कि वे मस्जिद में तोड़फोड़ करने जा रहे हैं।

श्रीनगर में लश्कर का आतंकी जुनैद अहमद मारा गया

आर.एन.एस.

श्रीनगर। दाचीगाम के जंगलों से लगे हरवान इलाके में सुरक्षाबलों ने लश्कर के आतंकी जुनैद अहमद भट को मार गिराया है। वह आतंकवादी हमलों में नागरिकों की हत्या में शामिल था। 22 दिन में यह दूसरी मुठभेड़ है, जो सोमवार रात से चल रही है। हालांकि, अभी बाकी आतंकियों की तलाश जारी है। सेना ने आतंकियों को खोजने के लिए दाचीगाम जाने वाले सभी रास्तों को सील कर दिया है। इससे पहले हरवान जंगल में कुछ आतंकियों के छिपे होने की खबर पर सुरक्षाबलों ने सर्च ऑपरेशन चलाया। जंगल में पहुंचे जवानों पर पहले आतंकियों ने गोली चलाई। थोड़ी ही देर में आतंकियों ने भारी गोलीबारी शुरू कर दी।

22 दिन पहले 10 नवंबर को भी हरवान के जंगल में एक एनकाउंटर हुआ था, लेकिन तब आतंकी भागने में कामयाब हुई थे। कई घंटों तक गोलीबारी के बाद एनकाउंटर बंद कर दिया गया। तब भी 2-3 आतंकियों की छिपे होने की खबर मिली थी। हरवान का जंगल साउथ कश्मीर के पुलवामा के त्राल के जंगल से भी जुड़ा हुआ है। आशंका है कि आतंकी इसी इलाके से हरवान के जंगल पहुंचे थे। 10 नवंबर को आतंकी एनकाउंटर से भागने में कामयाब हुए थे। कई घंटों के ऑपरेशन के बाद भी आतंकियों की लोकेशन सुरक्षाबलों को नहीं मिली थी।

बांग्लादेश : चिन्मय प्रभु के वकील पर हमला, हालत गंभीर

कट्टरपंथियों ने घर में तोड़फोड़ की, चिन्मय की जमानत पर सुनवाई 2 जनवरी तक टली

आर.एन.एस.

ढाका। बांग्लादेश में देशद्रोह के आरोप में जेल में बंद धर्मगुरु चिन्मय कृष्ण दास प्रभु के केस की पैरवी करने वाले वकील पर हमला हुआ है। यह दावा कोलकाता में इस्कॉन के प्रवक्ता राधारमण दास ने किया है।

राधारमण दास ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में रमन रॉय की तस्वीर के साथ कहा कि चिन्मय दास के वकील रमन रॉय पर क्रूर हमला हुआ है। वे ढ्रष्ट में जिंदगी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उनकी एकमात्र गलती यह थी कि उन्होंने कोर्ट में चिन्मय प्रभु का बचाव किया। कट्टरपंथियों ने उनके घर में तोड़फोड़ की और उन पर बेरहमी से हमला किया। बांग्लादेश में इस्कॉन के एक प्रमुख पूर्व नेता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी को पिछले महीने रंगपुर में हिंदू समुदाय के समर्थन में विरोध प्रदर्शन के बाद ढाका में गिरफ्तार किया गया था। उन पर देशद्रोह का आरोप लगाया गया है। 26 नवंबर को ढाका की एक अदालत ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी।

चिन्मय दास की जमानत पर सुनवाई 2 जनवरी तक के लिए टाल दी गई है। द डेली स्टार के मुताबिक यूनुस सरकार ने कोर्ट से समय मांगा जिसके बाद सुनवाई आगे बढ़ा दी गई। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कानूनी मदद न मिलने की वजह से चिन्मय दास की सुनवाई आगे बढ़ाई गई है। दरअसल, चिन्मय दास की पैरवी करने के लिए कोई भी वकील कोर्ट में पेश नहीं हुआ।

बांग्लादेश में सोमवार की रात ढाका यूनिवर्सिटी के कैंपस में सैकड़ों छात्रों ने भारत विरोधी नारे लगाए और विरोध प्रदर्शन किया। ये छात्र सोमवार को अगरतला में बांग्लादेश के असिस्टेंट हाई-कमीशन के कैंपस में तोड़फोड़ के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे।

सामाजिक सरोकारों में अग्रणी 'टीम मित्राय' ने लिया मूक प्राणियों और जरूरतमंदों की सेवा का संकल्प

डॉ. विनीत शर्मा ने परिवार से मिले संस्कार को बनाया जीवन का ध्येय, उठाया सेवा का बीड़ा

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

राजकुमार पारीक/ प्रमोद बागड़ा।

जयपुर। सेवा से बड़ा कोई परोपकार इस विश्व में नहीं है, जिसे मानव सहजता से अपने जीवन में अंगीकार कर सकता है। प्रारंभिक शिक्षा से लेकर हमारे अंतिम सेवा काल तक सेवा ही एक मात्र ऐसा आभूषण है, जो हमारे जीवन को सार्थक सिद्ध करने में अहम भूमिका निभाता है।

बिना सेवा भाव विकसित किए मनुष्य जीवन को सफल नहीं बना सकता। निस्वार्थ भाव से की गई सेवा से किसी का भी हृदय परिवर्तन किया जा सकता है। यह कहना है ह्यटीम मित्रायह्न के संस्थापक डॉ. विनीत शर्मा का। एक विशेष भेंट में डॉ. विनीत ने बताया कि सामाजिक और आर्थिक सभी रूपों में सेवा भाव की अपनी अलग-अलग महत्ता है। बिना सेवा भाव के किसी भी पुनीत कार्य को अंजाम तक नहीं पहुंचाया जा सकता। सेवा भाव के जरिए समाज में व्याप्त कुरीतियों को जड़ से समाप्त करने के साथ ही आम लोगों को भी उनके सामाजिक दायित्वों के प्रति जागरूक किया जा सकता है। डॉ. विनीत शर्मा करीब 16 सालों से योग, पर्यावरण, शिक्षा और सामाजिक सेवा के कार्य में लगे हुए हैं। वे कहते हैं कि सिर्फ अपने लिए जिये तो क्या जिये, समाज के लिए कुछ अच्छा कर जाएं तो ही जीवन सफल है। इसी बात को गांठ बांधकर वे लोगों को योग, शिक्षा और पर्यावरण के प्रति जागरूक भी कर रहे हैं। इसके अलावा डॉ. विनीत कई सामाजिक अभियानों से जुड़े हुए हैं। इनके अंदर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की ललक है। इनसे प्रेरित होकर अन्य लोग भी टीम मित्राय से जुड़े और आज समर्पण भाव के साथ कार्य कर रहे हैं।

दादा के पदचिन्हों पर चले, सामाजिक सेवा को बनाया जीवन का अंग

डॉ. विनीत शर्मा के दादा हनुमान सहाय व्यास आज भी सामाजिक क्षेत्र में सेवा के लिए जाने जाते हैं। हनुमान सहाय व्यास अध्यापक थे। उन्होंने जीवन पर्यंत लोगों की सेवा की। आज भी राड़ावास, अमरसर, नायन, सामोद सहित दो दर्जन गांवों में हनुमान सहाय के सामाजिक सरोकारों की चर्चा होती है। इसका प्रभाव विनीत पर पड़ा। बचपन से ही विनीत जरूरतंदों की सेवा करना चाहते थे। शिक्षा में उच्च मुकाम हासिल करने के बाद विनीत ने सामाजिक सेवा कार्यों में हाथ बढ़ाया। डॉ. विनित शर्मा ने हायर शिक्षा स्पोर्ट्स से योगा में डिग्री हासिल करने के बाद इसे जीवन का अभिन्न अंग बना लिया। स्वयं योग करने के साथ वे अन्य लोगों को भी इसके लाभ बताने लगे। इसी का परिणाम रहा कि वे कई योगा सेंटर से जुड़े और लोगों को स्वस्थ रहने के गुर सिखाने लगे।

मध्यम वर्गीय परिवार में जन्मे शिक्षा से बनाई पहचान

डॉ. विनीत शर्मा का जन्म 8 अक्टूबर, 1980 को जयपुर से करीब 50 किलोमीटर दूर राडावास गांव में एक मध्यम वर्गीय ब्राह्मण परिवार में हुआ। पिता नरेन्द्र शर्मा राजस्थान रोडवेज में परिचालक के पद पर कार्यरत थे और माताजी गृहणी। पढ़ाई में प्रारंभ से ही मेधावी रहे विनीत की प्रारंभिक शिक्षा गांव में ही हुई। विनीत ने हाई स्कूल और स्नातक की पढ़ाई जयपुर और जोधपुर से की। विनीत यहीं नहीं रुके और उच्च शिक्षा ग्रहण करने का सिलसिला लगातार चलता रहा। विनीत ने महर्षि दयानंद विश्विद्यालय से बीपीएड, जयनारायण व्यास विश्वद्यालय जोधपुर से एमपीएड, अन्नामलाई यूनिवर्सिटी से एम फिल, राजस्थान विश्विद्यालय से योग में डिग्री, सिंघानिया यूनिवर्सिटी से पीएचडी और राजस्थान विश्विद्यालय से हेरिटेज एंड ट्यूरिज्म मे डिप्लोमा किया। डॉ. विनीत ने राजस्थान विश्विद्यालय से म्यूजोलॉजी एंड कंजर्वेशन से भी पीजी की और टॉपर रहने पर गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। इनके एक भाई अमित और बहन मनीता है। डॉ. विनीत ने 2003 में लता शर्मा से शादी रचाई। इनका बड़ा बेटा आर्यन बीटेक और छोटा बेटा वंश 12वीं कक्षा में अध्यनरत है।

रश्मि शर्मा का मिला साथ बना ली 'टीम मित्राय'

बचपन से स्पोर्ट्स में रुचि रखने वाले डॉ. विनीत की मुलाकात योगा टीचर रश्मि शर्मा से हुई। दोनों ने मिलकर 2011 में एक संस्था ह्यटीम मित्रायह्न की स्थापना की। डॉ. विनित शर्मा और रश्मि शर्मा ने बताया कि टीम का उद्देश्य शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण के क्षेत्र में विशेष काम करना है। टीम के सदस्य किसी भी सूचना पर शिक्षा से वंचित बच्चों के लिए शिक्षण सामग्री उपलब्ध करवाना और फीस भरने से लेकर रहने तक की व्यवस्था करवाते हैं। वहीं स्वास्थ्य के लिए जरूरतमंद को दवाई, पैसे और रक्त भी उपलब्ध करवाते हैं। साथ ही पर्यावरण के क्षेत्र में प्रदेशभर में पौधरोपण किया जा रहा है। वर्तमान में टीम मित्राय में करीब 90 लोग जुड़े हुए हैं जिनमें आईएएस, आईपीएस, आरएएस, आरपीएस, न्यायाधीश, वकील, सीए, व्यापारी सहित अनेक लोग हैं, जो सामाजिक सरोकारों में बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं।

लम्पी में बचाई गौमाता की जान, कोविड में जरूरतमंदों की निःस्वार्थ सेवा

प्रदेश में कुछ साल पहले लम्पी बीमारी के रूप में गौमाता पर भयंकर कहर टूटा। डॉ. विनीत बताते हैं कि यह वह दौर था जब गायों की लम्पी बीमारी के कारण अकाल मौत हो रही थी। गांवों में जगह-जगह गायों के शव पड़े थे। यह देखकर हृदय विचलित हो गया। इस विकट स्थिति को देखते हुए टीम मित्राय के सदस्यों ने गौमाता की जान बचाने का संकल्प लिया। टीम मित्राय के सदस्यों ने इस भयंकर त्रासदी में गौमाता की जान बचाने के लिए दिन-रात मेहनत कर औषधीय लड्डू तैयार किए। प्रतिदिन प्रदेशभर की कई गौशालाओं से गाड़ी आती और उनमें औषधीय लड्डू भरकर भेजे जाते। यह सिलसिला करीब एक माह तक चला। डॉ. विनीत ने बताया कि लम्पी बीमारी के दौरान गौमाता के सेवा करते हुए पता ही नहीं चला कि हमने एक अनूठा रिकॉर्ड बना लिया है। इसके अलावा टीम मित्राय ने कोविड काल के दौरान लोगों को जरूरत का सामान उपलब्ध करवाने से लेकर वैक्सीन, खाने के पैकेट सहित दवाइयां हर जरूरतमंद को उपलब्ध करवाई। टीम मित्राय की निस्वार्थ सेवा और सहरानीय कार्यों को देखते हुए बेस्ट एनजीओ अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इसके अलावा लम्पी रोग में गौसेवा को विश्व रिकॉर्ड में शामिल किया गया। यह टीम मित्राय के लिए गर्व की बात है।

'टीम मित्राय' की उपलब्धियां

टीम की फाउंडर मेंबर रश्मि शर्मा ने बताया कि 2011 से लेकर अब तक प्रदेशभर में हमारी टीम ने 50 हजार से ज्यादा पेड़, 40 हजार से ज्यादा परिंड़े, 45 हजार से ज्यादा कंबल व स्वेटर और करीब 27 हजार से ज्यादा राशन किट वितरण किए जा चुके हैं। 50 हजार से अधिक बालिकाओं को स्कूल्स ओर कच्ची बस्तियों में सेनेटरी नैपकिन, 90 हजार से अधिक जरूरतमंदों को कोरोना काल में भोजन की थाली, 70 बच्चे बच्चियों को वर्तमान में आर्थिक योगदान शिक्षा में, साथ ही पीएम मोदी के हर घर स्वच्छता अभियान के पहले से ही बालिका विद्यालयों में टायलेट निर्माण का बीड़ा उठाया हुआ है।

सेवा के लिए हर समय रहते हैं तैयार

टीम मित्राय के सदस्यों पर सेवा का जुनून इस कदर हावी है कि किसी भी परिस्थिति में कोई भी मौसम हो हर समय सेवा के लिए तैयार रहते हैं। रात को बारह बजे भी किसी जरूरतमंद या बीमार की सेवा के लिए रक्त, दवाई और आर्थिक मदद भी करते हैं।

टीम इंडिया-सीनियर बनी फिजिकली डिसेबल्ड चैलेंजर्स ट्रॉफी 2024 की चैंपियन

इंडिया-सीनियर के विकास यादव बने प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर । एक रोमांचक फाइनल में, टीम इंडिया-सीनियर ने जीत हासिल कर फिजिकली डिसेबल्ड चैलेंजर्स ट्रॉफी 2024 का चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया। उन्होंने आज फाइनल मैच में जयपुरिया क्रिकेट एकेडमी में टीम इंडिया-ए को हराया।यह टूर्नामेंट राजस्थान डिसेबल्ड क्रिकेट एसोसिएशन (आरडीसीए) द्वारा पैट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के सहयोग से आयोजित किया गया था। चयनित टीम 14 जनवरी, 2025 से श्रीलंका में आयोजित होने वाली बहुप्रतीक्षित फोर नेशंस क्वाड्रीलेटरल सीरीज़ में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी, जिसमें भारत, यूके, पाकिस्तान और श्रीलंका की टीमें शामिल होंगी। पहले खेलते हुए टीम इंडिया-ए के लिए, ज़फ़र भट्ट और विकेटकीपर बलराम बस्तिया ने पारी की शुरुआत की। उन्हें जल्दी ही झटका लगा जब बलराम 12 रन बनाकर साईनाथ रेड्डी के हाथों आउट हो गए। जफर भट्ट को फिर बीच में राजेश कन्नूर का साथ मिला। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 70 रन जोड़े, उसके बाद ज़फ़र 29 गेंदों में 38 रन बनाकर आउट हो गए। तीसरा और चौथा विकेट बहुत जल्दी गिर गए। राजेश कन्नूर और दीपेश भारती ने पांचवें विकेट के लिए 152 रन जोड़े। राजेश कन्नूर ने 40 गेंदों में 74 रन बनाए, जबकि दीपेश भारती ने 18 गेंदों में 36 रन बनाए। पारी के अंत में, उन्होंने 20 ओवर में 179/6 का एक विशाल स्कोर बनाया। 180 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, सुरेन्द्र कुमार और प्रभजोत सिंह ने इंडिया-सीनियर के लिए पारी की शुरुआत की। प्रभजोत सिंह ने 7 गेंदों में 8 रन बनाए, सुरेन्द्र कुमार ने 41 गेंदों में 56 रन बनाकर टीम को एक अच्छी शुरुआत दी, जबकि विकेटकीपर योगेंद्र भदौरिया ने 14 गेंदों में 24 रन जोड़े। फिर मैच में विकास यादव का जलवा था। उन्होंने धुंआधार खेल दिखाते हुए मात्र 19 गेंदों में 55 रन बनाकर टीम को विजयी बना दिया। इंडिया-सीनियर ने 4 विकेट्स (181/6) से यह मैच जीता। इंडिया-सीनियर के विकास यादव को प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब दिया गया। फिजिकली डिसेबल्ड चैलेंजर्स ट्रॉफी 2024 के लिए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट विकास यादव को पुरस्कार में 5000 का चैक भेंट किया गया। बैटर ऑफ द टूर्नामेंट के लिए राजेश कन्नूर को सम्मानित किया गया।

स्वयंसेवी शिक्षण संस्थान संरक्षण समिति, जयपुर का स्नेह मिलन समारोह आज

नई शिक्षा नीति पर मंथन- रूबरू होंगे शिक्षामंत्री

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। सरकार द्वारा शिक्षा में आमूलचूल परिवर्तनों को मद्देनजर रखते हुए शिक्षा में सरलता, उत्कृष्टता और बेहतरीन शिक्षा के चलते केन्द्र सरकार ने एक अपडेट शिक्षा नीति का मसौदा तैयार कर राज्य सरकारों को प्रस्तुत किया है, इसमें क्या-क्या अपडेशन होंगे, उसका खुलासा होगा जिसमें राजस्थान सरकार में शिक्षामंत्री मदन दिलावर बुधवार को रावत कॉलेज, अजमेर रोड़, जयपुर के सभागार में नई शिक्षा नीति पर मंथन किया जाएगा जिसमें स्कूल संचालकों के सवाल और शिक्षामंत्री के जवाबों पर परिचर्चा होगी। समिति के अध्यक्ष भूपराम शर्मा ने बताया कि इस कार्यक्रम को स्नेह मिलन का रूप देते हुए मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार में शिक्षामंत्री मदन दिलावर होंगे। अध्यक्षता जिला प्रमुख जयपुर श्रीमती रमा चौपड़ा उपस्थित रहेंगी। इस कार्यक्रम में संरक्षण समिति से जुड़ाव रखने वाले शहर के लगभग 500 से अधिक स्कूल संचालक अपनी सहभागिता निभाएंगे। विदित रहे कि नई शिक्षा नीति-एक परिचर्चा में संरक्षण समिति के पदाधिकारी एवं प्रमुख शिक्षाविद् जिनमें संरक्षक अनूप सिंह शेखावत, अध्यक्ष भूपराम शर्मा, उपाध्यक्ष श्रीमती भारती शर्मा, सचिव जसवंत सिंह यादव, कोषाध्यक्ष प्रभाकर पचौरी आदि आत्म मंथन के मुख्य गवाह बनेंगे एवं समिति के अन्य स्कूल संचालकगण इसके साक्षी होंगे तथा इस कार्यक्रम के मुख्य संयोजक रावत एजुकेशनल समूह के चेयरमैन एवं प्रमुख शिक्षाविद् बी.एस.रावत होंगे।

अनंत नेशनल यूनिवर्सिटी के 6ठे दीक्षांत समारोह में सुधा मूर्ति ने छात्रों को दी प्रेरणा

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

अहमदाबाद। अनंत नेशनल यूनिवर्सिटी ने अपने 6ठे दीक्षांत समारोह का आयोजन किया, जिसमें 293 छात्रों को डिग्रियां प्रदान की गईं। ये छात्र बैचलर ऑफ डिजाइन, बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर, मास्टर ऑफ डिजाइन और अनंत फेलोशिप इन सस्टेनेबिलिटी एंड बिल्ट एनवायरनमेंट से जुड़े थे। समारोह में पद्म भूषण और पद्मश्री से सम्मानित, इंफोसिस फाउंडेशन की संस्थापक, लेखिका और परोपकारविद श्रीमती सुधा मूर्ति मुख्य अतिथि थीं। उनके साथ अनंत नेशनल यूनिवर्सिटी के प्रेसिडेंट श्री अजय पिरामल, प्रोवोस्ट डॉ. अनुनया चौबे, फाउंडिंग प्रोवोस्ट डॉ. प्रमथ राज सिन्हा और बोर्ड के अन्य सदस्य भी उपस्थित थे। पिरामल ग्रुप की वाइस चेयरपर्सन, डॉ. स्वाति पिरामल ने भी इस खास अवसर की शोभा बढ़ाई। श्रीमती मूर्ति ने अपने संबोधन में डिजाइन को समस्याओं को हल करने का एक प्रभावी माध्यम बताया, जो अनंत नेशनल यूनिवर्सिटी के दृष्टिकोण से भी मेल खाता है। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक कल्याण के लिए अपने अटूट समर्पण के बारे में बात की। उनके काम ने समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए नए मानक स्थापित किए हैं। हाल ही में राज्यत सभा के लिए नामित श्रीमती मूर्ति का प्रभावशाली योगदान सामाजिक नवाचार और बेहतर समाज निर्माण की दिशा में जारी है। दीक्षांत समारोह के दौरान अनंत के ग्रेजुएट्स को संबोधित करते हुए, श्रीमती सुधा मूर्ति ने कक्षा 2024 के छात्रों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा, "आप सभी रचनात्मक लोग हैं, सृजनकर्ता की तरह, जैसे भगवान ब्रह्मा। अपनी रचनाओं के माध्यम से आप अपने विचार और भावनाएं व्यक्त करते हैं। लेकिन जो बात सबसे ज्यादा मायने रखती है, वह यह है कि आप अपने प्रोजेक्ट्स के जरिए समुदायों से किस तरह जुड़ते हैं। मैंने देखा है कि आज के कई युवा सार्थक जुड़ाव बनाने में संघर्ष करते हैं।

BSN ने जीता चैंपियनशिप ट्रॉफी

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। 5 th इंडिपेंडेंट कप ओपन ताइक्वांडो चैंपियनशिप का आयोजन SMS स्टेडियम जयपुर में आयोजित हुआ जिसमें जयपुर के विभिन्न स्कूलों के लगभग 500 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया कोच पूजा, सोनी व सुनील सोनी के नेतृत्व में बी एस एन के के छात्र-छात्राओं रिया शर्मा ,पूर्वित शर्मा, दिया दाधीच ,आरुषि ,ने गोल्ड मेडल तथा दिव्यती खंडेलवाल, मनस्वी राठौड़, जानवी रावत, मानवी शर्मा, प्रत्यक्ष वर्मा, कनिष्क शर्मा, कनिष्का रावत, कुमकुम, गोराज शर्मा ,अंशिका दाधीच ,पायल बर्मन, पूर्विका जांगिड़, यशस्वी शर्मा, प्रीशा अग्रवाल, ने सिल्वर मेडल एवं रहिका सिंह, गनवी सराफ, दिशानी विजय ने ने ब्रोंज मेडल जीत कर सभी विद्यालयों में श्रेष्ठ प्रदर्शन कर चैंपियनशिप ट्रॉफी अपने नाम किया संस्था निदेशक डॉ प्रकाश चंद्र खुल्वे ने सभी विजेता खिलाड़ियों को उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दी ।

केवीजीआईटी की छात्राओं को दिया फ्रिज मैग्नेट और पॉउच डेकोरेशन का प्रशिक्षण

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। खण्डेलवाल वैश्य गर्ल्स इंस्टीटयूट ऑफ टैक्नोलॉजी वैषाली नगर जयपुर में मंगलवार को स्किल डवलेपमेंट सेल की ओर से एक दिवसीय वर्कषॉप का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं को फ्रिज मैग्नेट और पाउच डेकोरेषन का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में एक्सपर्ट ट्रेनर के द्वारा पेस्टल और एक्रीलिक कलर के द्वारा सजावट के लिए उत्पाद बनाना सिखाया गया। भाग लेने वाली छात्राओं के द्वारा बनाए गए सजावट सामग्री की प्रदर्शनी भी लगाई गई। इससे पूर्व महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. अंजु गुप्ता ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कहा कि छात्राओं के सर्वांगीण विकास में स्किल डवलपमेंट की अहम भूमिका है। जीवन में सीखा गया कोई हुनर बेकार नहीं जाता हैं सभी छात्राओं को हर दिन कुछ नया जानने का प्रयास करना चाहिए। प्रषिक्षण कार्यक्रम का संचालन डॉ.सरोज जाखड के द्वारा किया गया।

तालीम शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। मुस्लिम महासभा धौलपुर के द्वारा मुस्लिम समुदाय की लड़कियों को तालीम शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन हॉस्पिटल रोड स्थित जाकिर उर्दू क्लासेस पर आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि प्रदेश महासचिव शकील खान एवं अध्यक्षता जिला अध्यक्ष मौसीम खान की। इसमें जाकिर खान उर्दू क्लासेस के डायरेक्टर ने प्रदेश महासचिव शकील खान एवं जिला अध्यक्ष मोहसिन खान का माला पहनकर स्वागत किया। इस मौके पर जिला अध्यक्ष मोहसिन खान ने जिला कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए उर्दू अध्यापक जाकिर खान को जिला उपाध्यक्ष बनाया गया। प्रदेश महासचिव शकील खान ने तालीमी शिक्षा की जानकारी दी धौलपुर ब्लॉक अध्यक्ष द्वारा मुस्लिम लड़कियों के लिए टेस्ट वर्क उपलब्ध कराया जाएगा। इस मौके पर पूर्व ब्लाक अध्यक्ष अब्दुल साजिद खान, धौलपुर ब्लॉक अध्यक्ष आसिफ खान, सैफ अली, जावेद अली, इमरान फारूकी उर्दू अध्यापक, समीर खान, रिजवान खान, लियाकत अली, सहित अभिभावक एवं बच्चे मौजूद थे।

पीएम श्री विद्यालय शेरपुर में चित्रकला प्रतियोगिता में विजेता छात्रों को किया पुरस्कृत

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद के दिशा निर्देशों की पालना में पीएम श्री महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय शेरपुर में 21वीं सदी की शिक्षा एवं सूचना कौशल गतिविधि के तहत चित्र लेखन प्रतियोगिता का आयोजन एवं विजेता छात्रों को पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन मंजरी फाउंडेशन के संस्थापक संजय शर्मा के मुख्य आतिथ्य एवं प्रधानाचार्य राजेश शर्मा की अध्यक्षता में किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी हरीकांत शर्मा मौजूद रहे। शुरुआत में अतिथियों का स्वागत तिलक लगाकर एवं पटका पहनकर स्कूल के संस्था प्रधान राजेश शर्मा कंपोनेंट प्रभारी अध्यापक का हरिशंकर शर्मा ने किया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान सहित सांत्वना पुरस्कार प्राप्त करने वाले विजेता भारती बघेल, खुमन कुमारी, नैंशीकुमारी अंजलि व दिव्या पाल को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

धौलपुर...पीएम श्री विद्यालय शेरपुर में विजेता छात्रा को सम्मानित करते अतिथि व मौजूद छात्राएं व शिक्षक

मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए संजय शर्मा ने कहा कि बच्चों के समग्र विकास के लिए पढ़ाई के साथ-साथ सह शैक्षिक गतिविधियां बेहद जरूरी होती है। उन्होंनेचित्रकला प्रतियोगिता आयोजन की तारीफ करते हुए कहा चित्र लेखन अपनी भावनाओं और कल्पना को अभिव्यक्त करने का माध्यम है।चित्रलेखन से बच्चों के मन में प्रकृति के प्रति प्रेम व ज्ञान की भावना उत्पन्न होती है। साथ ही बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच मिलता है जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है।प्रधानाचार्य राजेश शर्मा ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना हमारी पहली प्राथमिकता है। प्रतिस्पर्धा के इस युग में बच्चों के चहुमुंखीविकास के लिए पढ़ाई के साथ-साथ लगातार चित्रकला खेलकूद व अन्य सह शैक्षिक गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

कंपोनेंट प्रभारी अध्यापक हरिशंकर शर्मा ने बताया कि इस से पूर्व प्रथम सत्र में प्रतियोगिता में कक्षा 6 से 8 तक के 95 से अधिक बच्चों ने प्रति भाग लिया। प्रतियोगिता में स्वच्छ भारत अभियान, जल बचाओ, पृथ्वी बचाओ, जल, वायु व ध्वनि प्रदूषण, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, सोशल मीडिया का उपयोग व अनुपयोग,इंटरनेट से लाभ और हानियां, पेड़ बचाओ जैसी थीम पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ संस्था प्रधान राजेश शर्मा व एसएमसी अध्यक्ष खरग जीत ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर किया।प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में अध्यापक अमित कुमार शर्मा, शैलेंद्र सिंह, लक्ष्मी देवी शामिल रहे। इस दौरान रागिनी त्रिवेदी सुरेश कुमार, गजेंद्र सिंह मौजूद रहे।

पुलिस के डॉक्टर और जवान ने दुर्घटना के घायलों को पहुंचाया अस्पताल

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। 11बी राष्ट्रीय राजमार्ग पर कल भीषण दुर्घटना में दो गाड़ियां आमने सामने की टक्कर में दुर्घटना ग्रस्त हो गई और दुर्घटना इतनी भीषण थी कि राजमार्ग पर ट्रैफ़िक एक बार के लिये पूरी तरह ठहर गया। छठी बटालियन धौलपुर में तैनात डाक्टर परमेश चन्द पाठक बाड़ी की तरफ़ जा रहे थे तब घायलों को सड़क पर पड़े देखा और मौके से ही धौलपुर पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरड़ा को घटना की सूचना दी। मौके पर सोने गुर्जा थाने पर तेनात कांस्टेबल विनोद भी साथ में थे। पुलिस के डाक्टर और पुलिस के जवान ने फुर्ती दिखाते हुए लोकल लोगों की मदद से फसे घायलों को दुर्घटना ग्रस्त घायलों को निकला और अपनी अपनी गाड़ियों से तुरन्त जिला अस्पताल पहुंचाया। कुल आठ घायलों को दोनों ने अस्पताल में भर्ती करा इलाज दिलाया। डाक्टर परमेश पाठक ने बताया कि जिस तरह वाहन छतिग्रस्त थे देख कर लग रहा था कि घायलों का हाल बेहाल होगा पर जो अच्छी बात देखने मिली वह यह थी की सभी लोगों ने सीट बेल्ट लगा रखी थी और जिसके परिणाम स्वरूप चोटों की गंभीरता तो कम हो ही गई साथ में गाड़ी के एयर बैग भी खुल गये जिस से भीषण दुर्घटना में भी किसी की मृत्यु नहीं हुई और ना कोई गम्भीर घायल हुआ। डॉक्टर पाठक ने बताया कि हमें हमेशा सीट बेल्ट लगा कर और नियत स्पीड से अधिक राष्ट्रीय राजमार्ग पर नहीं चलना चाहिये और ना ही ओवरटेक करते समय जल्द वाजी करनी चाहिये। पुलिस कप्तान की तत्परता से घायलों को मदद मिलने में आसानी हुई वहीं दूसरी तरफ़ दुर्घटना स्थल पर तुरन्त पहुँचे पुलिस जत्ते ने ट्रैफ़िक खुलवा कर यातायात को सुगम कराया और अस्पताल पहुंच पुलिस ने परिजनों को सूचित किया और इलाज में घायलों का सहयोग किया।

एमजीजीएस का परीक्षा परिणाम व एसएमएसए कार्यालयों में प्रतिनियुक्ति करने भेजा मांग पत्र

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। राजस्थान शिक्षक संघ एकीकृत के प्रदेश अध्यक्ष गिरिराज शर्मा प्रदेश महामंत्री डॉ. रनजीत मीणा व प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रभान चौधरी ने मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार भजन लाल शर्मा व शिक्षामंत्री राजस्थान सरकार मदन दिलावर को एसएमएसए कार्यालयों में प्रतिनियुक्ति और एमजीजीएस के परिणाम जारी करने के लिए मांग पत्र भेजा है। डॉ. रनजीत मीणा ने मांग की कि लगभग साक्षात्कार हुए 6 माह से अधिक समय व्यतीत हो गया है किन्तु अभी तक प्रतिनियुक्तियां नहीं हुई जिससे परियोजना के पद खाली पडे है एवं कार्य प्रभावित हो रहा है। पूर्व में प्रतिनियुक्त कार्मिकों को भी 4 से 5 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। चंद्रभान चौधरी ने मांग की कि सरकार द्वारा अंग्रेजी माध्यम के महात्मा गांधी विद्यालयों में रिक्त पदों को परीक्षा के माध्यम से भरने के लिए 25 अगस्त 2024 को परीक्षा आयोजित की गई थी किन्तु 3 माह से

अधिक समय के बाद भी परिणाम घोषित नहीं किया गया है जिससे एमजीजीएस विद्यालय में अंग्रेजी में दक्ष स्टॉफ की नियुक्ति नहीं हुई है सत्र 2024-25 पूर्णता की ओर है अर्द्ध वार्षिक परीक्षा आयोजित हो रही है एवं दो महीने बाद बोर्ड की परीक्षा आयोजित होनी है किन्तु अंग्रेजी दक्ष स्टॉफ नहीं होने से विद्यार्थियों का गुणवत्तापूर्ण परिणाम दिया जाना संभव नहीं है परिणामस्वरुप अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के साथ न्याय नहीं हो पा रहा है। यदि समय रहते स्टॉफ नहीं लगाया गया तो विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड होगा।

अतिशीघ्र एमजीजीएस के लिए आयोजित परीक्षा का परिणाम घोषित कर पदस्थापन करने एवं एसएमएसए कार्यालयों में प्रतिनियुक्तियों कर विभाग के कार्यों को गति प्रदान करें।

जन-जन का है जैन धर्म - महा मुनिराज विनय सागर महाराज.

विश्व कल्याण के लिए शांति विधान पाठ का हुआ आयोजन

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। श्री 1008 मुनि सुब्रत नाथ जिनालय जैन धर्मशाला में परम पूज्य गुरुदेव 108 विनय सागर महाराज के मंगल सानिध्य में विश्व कल्याण एवं शांति हेतु प्रदीप कुमार जैन, अनिल कुमार जैन, प्रमोद कुमार जैन, शुभम कुमार जैन, आशीष कुमार जैन एवं समस्त मांगरोल परिवार वालों की ओर से शांति विधान पाठ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुनि विनय सागर महाराज ने अपने मंगल प्रवचनों में कहा कि जैन धर्म जन जन का है उन्होंने कहा कि भगवान महावीर का संदेश जियो और जीने दो, जीव दया उत्तम क्षमा, अहिंसा परमो धर्म के संदेश को हमें जन-जन तक पहुंचना है उन्होंने आगे कहा कि भगवान के स्मरण मात्र से ही हम सब कुछ प्राप्त कर सकते हैं उल्लेखनीय है कि धर्म शाला स्थित जैन मंदिर में सन 2020 में कोरोना काल के समय जगत कल्याण के लिए भोजपुर ग्राम में भू गर्व से चमत्कारी अतिशय कारी आदिनाथ भगवान की प्रतिमा प्रकट हुई थीं जो कि धर्म शाला स्थित जैन मंदिर धौलपुर में विराजमान हैं। दर्शनों के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु आते हैं। आचार्य श्री विनम्र सागर महाराज के परम शिष्य विनय सागर महाराज का प्रवास जैन मंदिर धौलपुर में हो रहा है उनके मंगल सानिध्य में 13 दिसंबर से 17 दिसंबर तक 1008 चंद्र प्रभु मंदिर रीको में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। जिसमें अजमेर दिल्ली, आगरा, जयपुर, मुरैना, ग्वालियर, झांसी, भोपाल आदि स्थलों से बड़ी संख्या में जैन समाज के लोग भाग लेंगे। इस अवसर पर प्रदीप जैन, अनिल कुमार जैन, प्रवास जैन, कमल जैन, कृष्ण मोहन जैन, राहुल जैन एडवोकेट, सुनील कुमार जैन स्टेशन मास्टर, मेवाराम जैन, अमित जैन सहित बड़ी संख्या में समाज जन मोजूद रहै।

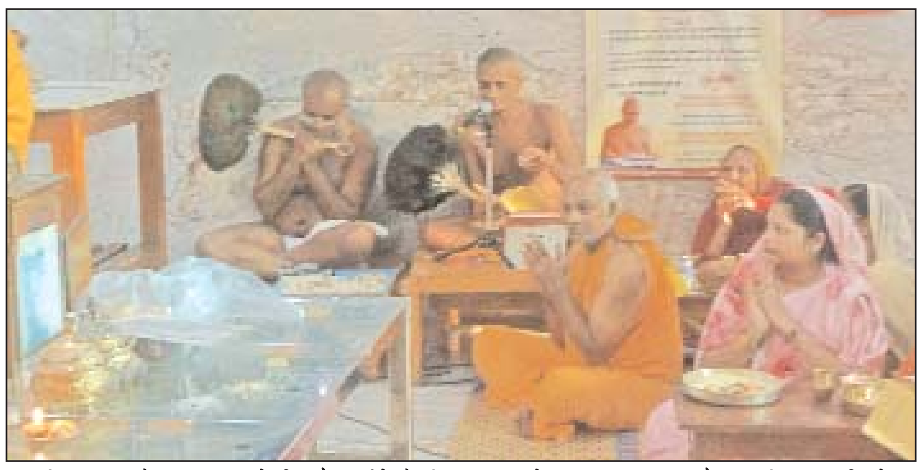

बाड़ी... परीक्षा आयोजन को लेकर बैठक में मौजूद अधिकारी

परख परीक्षा के आयोजन को लेकर की गई विशेष तैयारी

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बाड़ी। राष्ट्रीय सर्वेक्षण को लेकर 4 वर्ष बाद आयोजित होने जा रही परख परीक्षा का आयोजन 4 दिसंबर बुधवार को किया जाएगा। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा यह परीक्षा स्टूडेंट के शैक्षणिक स्तर की जांच करने को लेकर हर 4 वर्ष के बाद आयोजित होती है। ऐसे में परीक्षा आयोजन को लेकर मंगलवार को शहर के पंचायत समिति परिसर स्थित ब्लॉक शिक्षा विभाग कार्यालय में एक अहम बैठक का आयोजन किया गया। उक्त बैठक में धौलपुर डाइट के प्राचार्य महेश मंगल,ब्लॉक के मुख्य शिक्षा अधिकारी कल्याण सिंह मीणा, एसीबीओ अजय कुमार कौशिक,आरपी सुरेश भारद्वाज के साथ ब्लॉक के यूसीईओ और पीईईओ मौजूद रहे।

बुधवार को आयोजित होने जा रही परख परीक्षा को लेकर ब्लॉक शिक्षा विभाग के आरपी सुरेश भारद्वाज ने बताया यह परीक्षा सेंट्रल गवर्नमेंट के एजुकेशन मंत्रालय द्वारा आयोजित की जा रही है। परीक्षा की मॉनिटरिंग केंद्रीय विद्यालय परीक्षा समिति कर रही है। जिन्होंने अपने ऑब्जर्व सभी सेंटरों पर तैनात किए हैं। बाड़ी उपखण्ड मुख्यालय पर यह परीक्षा 18 सेंटरों पर आयोजित होगी। जिनमें 10 सरकारी स्कूल और आठ निजी स्कूलों को चयनित किया है। निजी स्कूलों में प्रभारी के तौर पर गवर्नमेंट स्कूल के प्रिंसिपल तैनात किए हैं। डाइट द्वारा पूरी परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। जिन्होंने परीक्षा आयोजन को लेकर टीम गठित की है। परीक्षा आयोजन को लेकर आयोजित हुई बैठक में ब्लॉक शिक्षा विभाग की आरपी घनश्याम दास मीणा, यूसीईओ हरिओम सिंह सिकरवार,पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी टीकम सिंह,राजवीर सिंह,अनारदेवी,विष्णु कुमार मीणा,रामचरण मीणा,रजनीश रावत,विनोद शर्मा के साथ संस्था प्रधान ओंकार सिंह,सुभाष चंद्र बंसल,अनीता यादव, प्रेम नारायण शर्मा एवं अन्य मौजूद रहे।

मंडल स्तर पर अधिक से अधिक सक्रिय सदस्य बनाएं - निकिता राठौड़

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। राष्ट्रीय व प्रदेश के द्वारा चलाया जा रहा संगठन पर्व सदस्यता अभियान के तहत प्रदेश अध्यक्ष मदन सिंह राठौड़ एवं भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष रक्षा भंडारी के निर्देशानुसार भरतपुर संभाग संगठन पर्व सदस्यता अभियान की भाजपा महिला मोर्चा प्रभारी निकिता राठौड़ (प्रदेश मीडिया प्रभारी) ने धौलपुर जिले में सक्रिय सदस्यों की बैठक ली। उन्होंने मंडल संयोजक व अन्य महिला कार्यकर्ताओं को सक्रिय सदस्य बनाया। इस अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा जिला संयोजक कल्पना शर्मा ने सभी भाजपा महिला मोर्चा पदाधिकारी को अधिक से अधिक संख्या में सक्रिय सदस्य बनने को प्रेरित किया जिससे भारतीय जनता पार्टी मजबूत बने। इस अवसर पर मीडिया सेल से शशि त्यागी, कोषाध्यक्ष कमलेश सेन, उपाध्याय रानू त्यागी, उमा सिंह, जारगा मंडल संयोजक नीरज मुद्गल ज्योति शर्मा नेहा सिंह, शिप्रा गर्ग, सपना गोयल, अनुपम श्रीवास्तव, ऋषि मुद्गल और आदि महिला कार्यकर्ता मौजूद रही।

बाड़ी शहर मंडल में हुआ बूथ अध्यक्षों का चुनाव संपन्न

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। मंगलवार को शहर मंडल वाड़ी विधानसभा बाड़ी में संगठन पर्व के तहत बूथों पर जाकर एवं घर-घर जाकर बूथ अध्यक्ष एवं बूथ समितियो का गठन किया गया चुने हुए बूथ अध्यक्षों को पार्टी का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम में मुकेश सक्सेना भरतपुर सम्भाग सह प्रभारी एवं सदस्यता अभियान बाड़ी मंडल सहसंयोजक, विनय परमार पूर्व जिला मंत्री एवं वाड़ी मंडल सहसंयोजक, मंडल अध्यक्ष वाड़ी दिनेश मामा, प्रदेश कार्यकारिणी एसटी मोर्चा उपाध्यक्ष राज बहादुर मीणा, जिला महामंत्री अनिल गोयल उपस्थित रहे। घर-घर, बूथ बूथ जाकर बूथ अध्यक्षों का चुनाव किया एवं बूथ समितियां बनाई एवं बूथ पर जाकर बूथ अध्यक्षों के घर पर भाजपा का झंडा लगाया, बूथ पर बोलते हुए मुकेश सक्सेना ने कहा कि हर बूथ पर आम सहमति से बूथ अध्यक्षों का चुनाव किया है एवं बूथ समितियां बनाई है, विनय परमार ने बताया कि बूथ समिति एवं बूथ अध्यक्षों की प्रक्रिया पूरी होने के बाद मंडल अध्यक्ष का चयन होगा, कार्यक्रम में वंदना शिवहरे, अंकुश कुमार गर्ग, शाहरुख खान, धनंजय शर्मा, दीनदयाल कोली, नाजिया खान, शिप्रा गर्ग, प्रदीप भारद्वाज, रामकुमार कुशवाहा, सतीश प्रजापति आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

तीन खनन माफियाओं को किया गिरफ्तार

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। भरतपुर रेंज राहुल प्रकाश द्वारा चलाये गये अवैध खनन के खिलाफ अभियान के तहत एवं जिला पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरडा के निर्देशानुसार, एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनोज शर्मा के पर्यवेक्षण में पुलिस, द्वारा वन अधिनियम मे वांछित तीन खनन माफिया अजय पुत्र रामबाबू जाति बालमीकि उम्र 26 साल निवासी विरोधा थाना मनियां जिला धौलपुर, गंगाराम पुत्र सालगिराम जाति जाटव उम्र 23 साल निवासी हिन्नौदा का पुरा थाना सदर जिला धौलपुर, बहादूर पुत्र सुमेर ऊर्फ सुम्मेरा जाति जाटव उम्र 43 साल निवासी पुरानी छावनी थाना सदर जिला धौलपुर को गिरफ्तार किया गया है। उक्त तीनों खनन माफियाओं द्वारा 17 अक्टूबर अपने-अपने ट्रेक्टर ट्रोलियों के माध्यम से अवैध खनन परिवहन का कार्य किया जा रहा था जो छावनी के पास पुलिस को देखकर अपने-अपने ट्रेक्टर ट्रोलियों जिनमे अवैध खण्डा पत्थर भरे हुये को छोडकर भाग गये थे। राजेन्द्र प्रसाद एएसआई मय जाप्ता द्वारा दौराने गश्त पुरानी छावनी के पास तीन ट्रेक्टर मय ट्रोली जिनमे अवैध खण्डा पत्थर भरे हुये थे पुलिस की गाडी को देखकर उनके चालक तीनो ट्रेक्टर मय ट्रोली जिनमे अवैध खण्डा पत्थर भरे हुये को छोड़कर मौके से भाग गये जिस पर ट्रेक्टर मय ट्रोली जिनमे अवैध खण्डा पत्थर भरे हुये को जप्त कर प्रकरण एमएमडीआर एक्ट व 41/42 वन अधिनिय मे प्रकरण पंजीबद्ध कर तीनों चालकों की सरगर्मी से तलाश जारी थी।

विशेष आवश्यकता वाले बालक-बालिकाओं की एक्सपोजर विजिट हुई सम्पन्न

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद जयपुर के निर्देशानुसार समग्र शिक्षा के तहत विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों को अन्तर जिला भ्रमण कराने के लिए दल का अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक महेश कुमार मंगल ने हरी झंडी दिखाकर सोमवार को रवाना किया। सहायक परियोजना समन्वयक विशाल गुप्ता ने बताया कि जिले के 90 बालक-बालिकाओं ने अन्तर जिला एक्सपोजर विजिट के दौरान विशेष शिक्षका, महिला विशेष शिक्षक एवं अभिभावक के साथ जिला करौली में कैला देवी मंदिर, कैला देवी अभ्यारण्य तथा मदन मोहन जी के मंदिर का भ्रमण किया। दल प्रभारी के रूप में हरिमोहन शर्मा वरिष्ठ शा.षि, अंजनी पचौरी व.अ., रविन्द्र कुमार अध्यापक, संतोष कुमारी शा.शि. सहप्रभारी के रूप में साथ रहे। द्वितीय दिवस 3 दिसम्बर मंगलवार को अन्तराष्ट्रीय विश्व विकलांगता दिवस के उपलक्ष्य में विषेष आवष्यकता वाले बालक-बालिकाओं की क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन ग्रामीण उद्यमशाला बिजौली में किया गया। प्रतियोगिता समापन एवं पुरस्कार वितरण में मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी दाऊदयाल शर्मा ने बच्चों को सम्बोधित करते हुए कहा कि दिव्यांगता को कमजोरी न मानते हुए जिंदगी में सतत प्रयास करने चाहिए। अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक महेश कुमार मंगल ने बच्चों को सरकार द्वारा देय विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान राजेन्द्र प्रसाद शर्मा कार्यक्रम अधिकारी, सूर्यप्रकाश कुशवाहा, योगेश चंद शर्मा, मनीष, मधूसूदन आदि संदर्भ व्यक्ति उपस्थित रहे।

राहुल श्रीवास्तव आईएएस ने इनक्यूबेटर सेंटर में की स्टार्टअप के साथ चर्चा

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

भरतपुर। प्रशिक्षु आईएएस राहुल श्रीवास्तव द्वारा राजकीय अभियात्रिंकी महाविद्यालय परिसर में इनक्यूबेटर सेंटर में नवाचार को बढावा देने के लिए स्टार्टअप से चर्चा की गई। उन्होंने स्टार्टअप को बिजनेस बढ़ाने, आइडिया डेवलप करने, तकनीकी रूप से कुशल बनाने, व्यवसाय को पूर्ण रूप से स्थापित एवं विकसित करने के लिए अपने सुझाव साझा किए।

उन्होंने आधुनिक सुविधाओं से युक्त टिंकरिंग लैब में स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थियों एवं स्टार्टअप कोरोबोटिक्स, ड्रोन, ह्यूमनॉइड सिस्टम, 3डी प्रिंटर, एआई और आईओटी आदि में रूचि बढ़ाने, ट्रेनिंग देने के साथ साथ नवाचार के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने बताया कि वर्तमान में भरतपुर में संचालित इनक्यूबेटर सेंटर में लगभग 100 से अधिक स्टार्टअप जुडे हुए हैं। ये स्टार्टअप शिक्षा, कृषि, आईटी, पर्यटन, फैशन, एनीमेशन, रिन्यूएबल एनर्जी आदि विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार करके अपने आइडिया क्रियान्वित करने के साथ ही रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने बताया कि भरतपुर में स्टार्टअप को बढावा देने के लिए इनक्यूबेटर सेंटर में मेंटरिंग सुविधा भी दी जा रही है।

चर्चा के दौरान सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के उप निदेशक हरिमोहन शर्मा ने बताया कि आईस्टार्ट राजस्थान सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग का प्रमुख कार्यक्रम है। उन्होंने बताया कि यह एक एकीकृत प्लेटफ़ॉर्म है जो स्टार्टअप, छात्रों, उद्यमियों, नवाचारी, इनक्यूबेटर्स, एक्सेलरेटर्स और मेंटर्स के लिए एकल खिड़की संसाधन के रूप में कार्य करता है। इसका उद्देश्य राज्य में नवाचार को पोषण देना, उद्यमिता को बढ़ावा देना, सम्पदा उत्पन्न करना और राज्य में नौकरियों को बनाना है।

चर्चा के दौरान हरिमोहन शर्मा ने बताया कि राजस्थान सेंटर फॉर एडवांस टेक्नोलॉजी ;त्ब्।ज्द्ध उन्नत प्रौद्योगिकी का एक अनूठा संस्थान है, जो राजस्थान सरकार द्वारा छात्रों और मध्य-कैरियर पेशेवरों के बीच आईटी कौशल को आत्मसात करने और विकसित करने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि केंद्र को निर्बाध कौशल विकास के लिए अच्छी तरह से शोध किए गए और उद्योग-संचालित पाठ्यक्रम प्रदान करने के लिए विकसित किया गया है। चर्चा के दौरान सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के सूचना सहायक सदेष कुमार, रविकुमार ने भी नवाचार को बढावा देने के लिए अपने विचार साझा किए।

संपादकीय

राष्ट्रपति बनने से पहले ही ट्रंप की भारत समेत ब्रिक्स देशों को चेतावनी

अमेरिका का अपनी अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए चिंता करना स्वाभाविक है। मगर क्या इसके लिए टकराव और चेतावनी कोई उपयुक्त रास्ता है? नए वैश्विक परिदृश्य में सभी देश अपनी आर्थिक मजबूती के नए विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। किसी भी देश में सत्ता बदलने के साथ उसकी नीतियों में बदलाव आना हैरानी की बात नहीं है, लेकिन इस बार अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद जो संकेत सामने आ रहे हैं, वे चौंकाने वाले हैं। हालांकि ट्रंप आधिकारिक रूप से जनवरी में राष्ट्रपति पद संभालेंगे, मगर पिछले कुछ दिनों से वे जिस तरह के बयान दे रहे और अपनी सरकार गठन को लेकर जो तस्वीरें पेश कर रहे हैं, उससे साफ है कि वे इस बार बहुत कुछ नया करने जा रहे हैं। अपने एक ताजा बयान में उन्होंने कहा कि अगर कोई देश अमेरिकी डालर को कमजोर करने की कोशिश करेगा, तो उसे अमेरिका में कारोबार के लिए सौ फीसद शुल्क की नीति का सामना करना पड़ेगा। ट्रंप के निशाने पर मुख्य रूप से ब्रिक्स समूह के नौ देश हैं। उनके बयान को एक चेतावनी के तौर पर देखा जा रहा है। सवाल है कि औपचारिक रूप से सत्ता संभालने के पहले ही ट्रंप का ऐसा आक्रामक रुख क्यों सामने आने लगा है। आर्थिक मामलों पर उभरे गतिरोध अलग-अलग देशों के साथ सहयोग आधारित नीतियों के जरिए और सहमति के आधार पर दूर किए जाते हैं या आक्रामक नीतियां लागू करने की धमकी से?

इसमें कोई दोराय नहीं कि अमेरिका का अपनी अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए चिंता करना स्वाभाविक है। मगर क्या इसके लिए टकराव और चेतावनी कोई उपयुक्त रास्ता है? नए वैश्विक परिदृश्य में सभी देश अपनी आर्थिक मजबूती के नए विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। इस क्रम में ब्रिक्स देश और खासकर रूस और चीन पिछले कुछ वर्षों से अमेरिकी डालर के विकल्प के रूप में अपनी नई मुद्रा लाने की कोशिश कर रहे हैं। मगर इसे अमेरिका अपने डालर और इस तरह अपनी अर्थव्यवस्था के लिए नुकसानदेह मान रहा है और इस स्थिति में वह ब्रिक्स देशों को अपने यहां व्यापार बाधित करने की चेतावनी दे रहा है। ट्रंप की चिंता अमेरिका के हित में हो सकती है, लेकिन अगर आर्थिक मसले पर दुनिया बहुध्रुवीय और वैकल्पिक रास्ते तलाशती है, तो अमेरिका को इसके कारणों पर विचार करना चाहिए। नए विश्व में एकाधिकार का रास्ता शायद किसी भी देश के हित में नहीं होगा।

तकनीक ने बढ़ा दी बीमारियां इंसानियत धीरे-धीरे हो रहा खत्म

आज की दुनिया एक बड़े परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। डिजिटल तकनीक के व्यापक प्रसार ने हमारी दिनचर्या और सोचने के तरीके को पूरी तरह से बदल दिया है। इंटरनेट, कृत्रिम बुद्धिमता और सोशल मीडिया ने न केवल हमें एक नए युग में प्रवेश कराया है, बल्कि हमारी इंसानियत पर भी सवाल खड़े किए हैं। आज जब अपने चारों ओर की दुनिया को देखा जाए तो कोई भी संवेदनशील व्यक्ति यह सोचने पर मजबूर हो सकता है कि क्या यह तकनीकी क्रांति हमें वास्तव में जोड़ कर रख रही है या हमें और भी अलग-थलग कर रही है! एक श्लोक है- 'असतो मा सद्गमय, तमसो मा ज्योतिर्गमय, मृत्योर्मा अमृतं गमय।' यानी हमें असत्य से सत्य की ओर ले चलो, अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो, और मृत्यु से अमरता की ओर ले चलो।

तकनीकी प्रगति ने जीवन को सरल बना दिया है, लेकिन इसने हमारे दिलों को जटिल भी कर दिया है। क्या हम उस बिंदु पर पहुंच चुके हैं, जहां इंसानियत और मानवीय संवेदनाओं को तकनीक से परे एक नया आयाम देना होगा? इस प्रश्न का उत्तर हम सभी को मिलकर खोजना होगा। तकनीक का सही उपयोग तभी संभव है, जब यह हमारे मानवीय मूल्यों को संजोए रखे। आज की दुनिया एक बड़े परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। डिजिटल तकनीक के व्यापक प्रसार ने हमारी दिनचर्या और सोचने के तरीके को पूरी तरह से बदल दिया है। इंटरनेट, कृत्रिम बुद्धिमता और सोशल मीडिया ने न केवल हमें एक नए युग में प्रवेश कराया है, बल्कि हमारी इंसानियत पर भी सवाल खड़े किए हैं। आज जब अपने चारों ओर की दुनिया को देखा जाए तो कोई भी संवेदनशील व्यक्ति यह सोचने पर मजबूर हो सकता है कि क्या यह तकनीकी क्रांति हमें वास्तव में जोड़ कर रख रही है या हमें और भी अलग-थलग कर रही है! एक श्लोक है- 'असतो मा सद्गमय, तमसो मा ज्योतिर्गमय, मृत्योर्मा अमृतं गमय।' यानी हमें असत्य से सत्य की ओर ले चलो, अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो, और मृत्यु से अमरता की ओर ले चलो। यह श्लोक इस बात की याद दिलाता है कि सच्चा मार्ग वही है, जो अंधकार और असत्य से मुक्त हो। इसी तरह, आज हमें तकनीक के उजाले में खोते हुए उन मूल्यों को याद रखना होगा, जो हमें मानवता की ओर ले जाते हैं। तकनीक ने भले ही हमें वैश्विक स्तर पर जुड़ने का अवसर दिया हो, लेकिन वास्तविकता में हमने अपनी आसपास की दुनिया से दूरी बना ली है। आभासी दुनिया में जुड़ने के सुख की हकीकत यह है कि सोशल मीडिया पर हजारों लोग दोस्ती की सूची में हो सकते हैं, उन्हें हमारा लिखा हुआ या कोई और सामग्री पसंद आती है, मगर वास्तव में कोई हमसे जुड़ा नहीं होता। हमारा पड़ोसी तक हमारे दुख में शामिल नहीं होना चाहता। ज्यादातर लोग एक ही घर में रह कर अपने स्मार्टफोन में डूबे रहते हैं, तो यह स्पष्ट होता है कि इस डिजिटल दुनिया में हम और भी अकेले होते जा रहे हैं। उन दिनों को याद किया जा सकता है, जब परिवार और दोस्तों के साथ बैठकर हम वास्तविक बातचीत किया करते थे। आज वह आपसी संवाद एक 'कमेंट' या 'इमोजी' तक सीमित हो गया है। खुद में सिमटने के उदाहरण अपने आसपास हर जगह देखे जा सकते हैं। किसी व्यावसायिक माल में जमा लोगों को देख कर उनके भी संवेदनशील होने के बारे में अंदाजा लगाया जा सकता है। कुछ समय पहले एक बुजुर्ग एक जगह असहाय बैठे थे। शायद उन्हें मदद की जरूरत थी। चारों ओर से लोग गुजर रहे थे, लेकिन किसी ने उनकी ओर ध्यान नहीं दिया, क्योंकि सभी अपने-अपने स्मार्टफोन या बाजार से खरीदारी में व्यस्त थे। एक व्यक्ति ने जब उनसे बात की, तब पता चला कि उन्हें अपने बेटे से संपर्क करने में परेशानी हो रही थी। उस व्यक्ति ने उनकी मदद की, तब उनकी आंखों में राहत और आभार का भाव उभरे। तकनीक ने हमें भले ही एक नई दुनिया दी हो, लेकिन हम अपनी इंसानियत और आपसी जुड़ाव से कहीं दूर हो गए हैं। यह विडंबना है कि जब हमारे पास इतनी तकनीकी प्रगति है, तो मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं भी उसी तेजी से क्यों बढ़ रही हैं। तनाव, अवसाद और अकेलापन जैसे मुद्दे अब आम हो गए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि डिजिटल युग में इन समस्याओं की वृद्धि इस बात का संकेत है कि हम अपने वास्तविक मानवीय रिश्तों से दूर होते जा रहे हैं।

अब वह समय नहीं रहा जब हम अपनों के साथ समय बिताने से आत्मिक शांति पाते थे। एक दौर था जब इंसानियत, प्यार और देखभाल हमारे रिश्तों की नींव हुआ करती थी। अब यह सब डिजिटल संकेत और स्क्रीन पर उभरते 'नोटिफिकेशन' या सूचनाओं और संदेशों में बंधकर रह गया है। 'विज्ञान ने संसार को एक बहुत बड़ी चीज दी है- तथ्यों को पहचानने की शक्ति। लेकिन प्रेम ही वह तत्त्व है, जो मानव-हृदय को सही दिशा देता है।' प्रेमचंद की ये पंक्तियां हमें इस बात का अहसास कराती हैं कि तकनीक और विज्ञान कितनी भी उन्नति कर लें, आखिरकार मानवीय संवेदनाएं ही हमें एक दूसरे से जोड़ती हैं और जीवन को सार्थक बनाती हैं। इस बात को लेकर चिंतित होना चाहिए कि क्या हम वाकई सही दिशा में जा रहे हैं। हालत यह हो गई है कि कोई हादसा हो जाता है, कोई अपराध हो रहा होता है, उस समय भी कुछ लोग मदद पहुंचाने या उसके लिए दौड़ पड़ने के बजाय अपने स्मार्टफोन निकाल कर झट से वीडियो बनाना शुरू कर देते हैं। सवाल है कि क्या तकनीक हमारी संवेदनाओं और सोचने-समझने की दिशा को भी प्रभावित कर रही है। तकनीकी प्रगति ने जीवन को सरल बना दिया है, लेकिन इसने हमारे दिलों को जटिल भी कर दिया है। क्या हम उस बिंदु पर पहुंच चुके हैं, जहां इंसानियत और मानवीय संवेदनाओं को तकनीक से परे एक नया आयाम देना होगा? इस प्रश्न का उत्तर हम सभी को मिलकर खोजना होगा। तकनीक का सही उपयोग तभी संभव है, जब यह हमारे मानवीय मूल्यों को संजोए रखे। तकनीकी के उपयोग का उद्देश्य हमारी जिंदगी को आसान बनाना था, लेकिन कहीं न कहीं यह हमें आपस में जोड़ने के बजाय भावनात्मक रूप से दूर कर रही है। हमें इस बात का ध्यान रखना होगा कि तकनीक का प्रयोग इंसानियत को मजबूत करने के लिए हो, न कि इसे कमजोर करने के लिए।

सत्य किसी की हानि नहीं करता

सौभाग्यवश नई तकनीक ने पूरी दुनिया में इस तालाबंदी में सुराख कर दिया है। अब दुनिया के किसी भी कोने से कोई व्यक्ति उन्मुक्त रूप से किसी तथ्य और प्रमाण को पूरी दुनिया के सामने रख सकता है। अतः यही उपयुक्त है कि सही इतिहास की शिक्षा दी जाए। किसी मतवाद दल नेता के हित या अहित की फिक्र से हटकर ही ज्ञान और विद्या का लाभ हो सकता है। बीते दिन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि हमारे इतिहास के साथ छेड़छाड़ की गई है। अतीत में यह बात प्रधानमंत्री से लेकर गृहमंत्री भी कह चुके हैं, लेकिन इतिहास को सही रूप में पेश करने का काम नहीं हो पा रहा है और वह भी तब, जब सभी इससे परिचित हैं कि सच्चे इतिहास की जानकारी के अभाव में लोगों के बीच नासमझी की खाई बन जाती है। वे लोग एक रह ही नहीं जाते। उनके स्वर विपरीत होने लगते हैं, जिससे एक-दूसरे को उपयुक्त रूप से नहीं समझ पाते। सही इतिहास जानने की इस महत्ता से हमारे नीति-निर्माता अनभिज्ञ रहे हैं। अन्यथा इस विषय पर यहां इतनी दलबंदी न होती। भारतीय सभ्यता के शत्रु यह विषय अधिक बेहतर समझते हैं, अतः उन्होंने इतिहास को झुठलाने और काल्पनिक बातें फैलाने पर ध्यान केंद्रित किया। हमारे नेताओं-नीतिकारों की नासमझी के कारण ही इसमें वे सफल रहे हैं। क्या यह स्थिति बदल रही है? देश में कुछ लोग सही इतिहास के पठन-पाठन के लिए चेष्टा कर रहे हैं। इतिहास की पाठ्यपुस्तकें बनाने में लगे विद्वान मिशेल दानीनो ने देश के कुछ स्कूली शिक्षकों से संवाद किया। इसमें उन्होंने अनेक गंभीर प्रश्नों का सामना किया। एक शिक्षक ने पूछा कि 'विवादित मुद्दों पर बच्चों को कैसे पढ़ाएं? उदाहरण के लिए आजादी पाने में महात्मा गांधी और भगत सिंह की भूमिका? क्या यह कहना ठीक है कि राजनीति में अहिंसा की विजय हुई?' दानीनो के अनुसार शिक्षक को फैसला देने वाला जज नहीं बनना चाहिए। किसी ऐतिहासिक व्यक्ति की निंदा या प्रशंसा से बचें। छात्रों के समक्ष अधिकाधिक तथ्य रखना ही उपयुक्त है, ताकि छात्रों में सत्य के अन्वेषण के प्रति रुचि पैदा हो। किसी भी मुद्दे पर भरपूर तथ्यों को जानने के बाद वह अपना मत स्वयं बनाने के लिए स्वतंत्र रहें। इसीलिए, यहां सम्राट अशोक या सिकंदर को 'महान' कहना अनावश्यक है। उससे मुश्किलें पैदा होती हैं। केवल उन ऐतिहासिक व्यक्तियों के कार्य एवं विचार प्रमाणिक रूप से सामने रख देना उचित है। इसी तरह, असुविधाजनक तथ्यों की लीपापोती भी अनुचित है। जैसे, भारतीय इतिहास में हजारों मंदिरों का विध्वंस अथवा समाज में चल रहा जातिगत भेदभाव। ठोस तथ्यों को सामने रखना न केवल सही शिक्षा है, बल्कि उसी से लोगों के बीच विश्वास और सद्भाव बनता है, क्योंकि सत्य किसी की हानि नहीं करता। जबकि मिथ्याकरण से संदेह, द्वेष और छल का अंतहीन क्रम बनता है, जिससे देर-सबेर समाज की हानि होती है। किसी घटना या व्यक्ति के बारे में अधिकाधिक और प्रमाणिक तथ्य रखना ही लेखक या शिक्षक का कर्तव्य है। उनसे किसी प्रश्न पर पाठक स्वयं उत्तर निकालेंगे। यह पद्धति ज्ञानवर्धक एवं रुचिकर होगी। दुर्भाग्यवश स्वतंत्र भारत में इतिहास शिक्षा राजनीति से ग्रस्त होती गई। इससे मिथ्याकरण को बढ़ावा मिला। हमारे अभिलेखागारों में तमाम दस्तावेज और पांडुलिपियां अनछुई हैं। युवा शोधकर्ताओं तथा छात्रों को उन्हें पढ़ने के लिए प्रेरित करना चाहिए। उनके अध्ययन से पता चलेगा कि तमाम प्रचलित निष्कर्ष निराधार हैं, जिन्हें राजनीतिक उद्देश्य से प्रचारित किया गया। जबकि सच्ची बातों और कटु स्मृतियों का दमन हुआ। हालांकि ऐसी स्मृतियां मिटती नहीं। कालांतर में वे किसी भी रूप में ज्वालामुखी होकर फटती हैं। अज्ञेय ने कहा था, 'जबरन दमित करने से कुछ स्मृतियां प्राकृतिक रूप से लुप्त नहीं हो पातीं। उलटे उनमें ऊर्जा का ऐसा संचय होने लगता है, जिसके परिणाम अपूर्वानुमेय हो जाते हैं।' कुछ विद्वान मानते हैं कि कोई संपूर्णतः वैज्ञानिक या वस्तुगत इतिहास नहीं होता। हर लेखन में लेखक के कुछ आग्रह, पूर्वाग्रह या भूल होती ही है। भारतीय इतिहास में भी कई बड़े नेताओं के विचार और उनके व्यक्तिगत राग-द्वेष हैं। देश-विभाजन जैसे आकस्मिक फैसले से लाखों-करोड़ों लोगों की बेहिसाब हानि हुई। उसके अन्य क्रमिक परिणामों का बहीखाता भी खासा मोटा है। उनके तथ्य और सबक गंभीरता से जानने, समझने और विचार करने योग्य हैं। इसके बदले केवल गुलाबी रंग की अर्धसत्य जीवनियां पढ़ाना नितांत अहितकर है। इतिहास का मिथ्याकरण और देश की नई पीढ़ी को उनके पूर्वजों के वास्तविक अनुभवों को जानने से वंचित रखना हर हाल में गलत है। युवा पीढ़ी को मात्र लफ्फाजी में उलझाए रखने वाले साहित्यकार, इतिहासकार और नेता गलती करते रहे हैं। कठोर वास्तविकताएं, अप्रिय प्रवृत्तियां भी मानव जीवन का अभिन्न अंग रही हैं। सच्ची शिक्षा पलायनवादी नहीं हो सकती। यथार्थ इतिहास और जनजीवन में राजनीतिक उद्देश्यों से काट-छांट, रंग-रोगन करना अंततः हानिकर साबित होता है, लेकिन यहां लंबे समय से इतिहास और वर्तमान के अप्रिय प्रसंगों पर चुप्पी की परंपरा बनी हुई है। तब किनसे भावी पीढ़ियां कुछ सीख सकेंगी? असंख्य प्रसंगों एवं व्यक्तित्वों के विषय में जानकारी पर मानो ताला लगाए रखा गया है। सौभाग्यवश नई तकनीक ने पूरी दुनिया में इस तालाबंदी में सुराख कर दिया है। अब दुनिया के किसी भी कोने से कोई व्यक्ति उन्मुक्त रूप से किसी तथ्य और प्रमाण को पूरी दुनिया के सामने रख सकता है।

अतः यही उपयुक्त है कि सही इतिहास की शिक्षा दी जाए। किसी मतवाद, दल, नेता के हित या अहित की फिक्र से हटकर ही ज्ञान और विद्या का लाभ हो सकता है। भारत ही नहीं प्राचीन ग्रीक, चीनी या आधुनिक यूरोपीय शिक्षा चिंतन में भी ज्ञान या विवेक किसी सीमा से बंधा नहीं मिलता। उस उदात्तता से शिक्षा को अनिवार्यतः जुड़ा रहना चाहिए। यह विशेषकर इतिहास और साहित्य की शिक्षा में ध्यान रखने की बात है। इसके अभाव में हमारा अपना आपसी राष्ट्रीय संवाद तक बाधित हुआ है। ब्रिटिश शासनकाल में भारतीयों के बीच परस्पर संवाद अधिक सहज, जानकारीपरक और सद्भावपूर्ण था। जबकि आज अनेक छोटे-बड़े मुद्दों, दार्शनिक-पौराणिक विषयों पर भी हमारे नेता नितांत विपरीत और भ्रामक विचार भी रखते हैं। इसका एक बड़ा कारण लंबे समय से चल रहा इतिहास का मिथ्याकरण भी है। इसी कारण शिक्षित भारतीयों के बीच तथ्यों का पारदर्शी विनिमय बंद सा हो गया है। इससे विभिन्न हिस्सों के बीच संवादहीनता तथा नासमझी की एक खाई बनी है। अच्छा यही होगा कि हमारे नेता एवं नीतिकार दलबंदी से ऊपर उठकर सबको ईमानदारी से साथ लेकर ही शिक्षा और संस्कृति की चिंता करें।

(लेखक राजनीतिशास्त्र के प्राध्यापक एवं वरिष्ठ स्तंभकार हैं।)

मुआवजा भुगतान में सरकार की लापरवाही को लेकर बार-बार आंदोलन पर किसान

दिल्ली-नोएडा सीमा पर भारी पुलिस बल तैनात होने और अवरोधक लगाए जाने के बावजूद किसान नहीं रुके। हालांकि शाम होते-होते उन्होंने अपना फैसला बदल लिया और कहा कि सरकार से बातचीत में अगर संतोषजनक नतीजे नहीं निकलते हैं, तो वे दिल्ली की तरफ फिर से कूच करेंगे। ये किसान कई वर्ष से अव्यावहारिक ढंग से निर्धारित किए गए मुआवजे में बढ़ोतरी और भुगतान की मांग कर रहे हैं। इससे पहले भी कई बार वे दिल्ली की तरफ बढ़ने का प्रयास कर चुके हैं। उत्तर प्रदेश सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश करते रहे हैं, मगर उनकी मांगों पर ठीक से विचार नहीं किया गया।

किसानों की समस्याओं पर कोई भी सरकार संवेदनशील नजर नहीं आती। न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी का मुद्दा पुराना है। इसे लेकर किसान लंबे समय तक धरने पर बैठे रहे। किसानों की समस्याओं और उनकी मांगों पर पारदर्शी ढंग से बातचीत और समाधान न हो पाने का ही नतीजा है कि वे बार-बार आंदोलन की राह पर चल पड़ते हैं। गौतम बुद्ध नगर और उसके आसपास के जिलों के किसान इसीलिए एक बार फिर दिल्ली की तरफ कूच कर गए और सोमवार को दिन भर लोगों को यातायात में बाधा से जूझना पड़ा। दिल्ली-नोएडा सीमा पर भारी पुलिस बल तैनात होने और अवरोधक लगाए जाने के बावजूद किसान नहीं रुके। हालांकि शाम होते-होते उन्होंने अपना फैसला बदल लिया और कहा कि सरकार से बातचीत में अगर संतोषजनक नतीजे नहीं निकलते हैं, तो वे दिल्ली की तरफ फिर से कूच करेंगे। ये किसान कई वर्ष से अव्यावहारिक ढंग से निर्धारित किए गए मुआवजे में बढ़ोतरी और भुगतान की मांग कर रहे हैं। इससे पहले भी कई बार वे दिल्ली की तरफ बढ़ने का प्रयास कर चुके हैं। उत्तर प्रदेश सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश करते रहे हैं, मगर उनकी मांगों पर ठीक से विचार नहीं किया गया। दरअसल, अलग-अलग सरकारों के समय अलग-अलग मुआवजा नीति के तहत नोएडा के किसानों से ली गई जमीन का भुगतान किया गया। उनमें बहुत सारे किसानों को उचित मुआवजा नहीं मिल पाया, जिसे लेकर वे आंदोलन करते रहे हैं। विकास परियोजनाओं के लिए ली गई जमीन के मुआवजा भुगतान में अपारदर्शिता की शिकायतें अक्सर मिलती रही हैं। उनके निपटारे पर गंभीरता नहीं दिखाई जाती, जिसके चलते हजारों किसान लंबे समय से परेशानियों का सामना कर रहे हैं। यों तो सरकारें किसानों की आय बढ़ाने, आपदा के समय उनकी फसल का उचित मुआवजा दिलाने, फसल बीमा, किसान कर्ज में सहूलियत, भूमिहीन किसानों के लिए रोजगार, जमीन के मुआवजे का उचित भुगतान आदि के दावे बढ़-चढ़ कर करती हैं, मगर हकीकत यही है कि भ्रष्टाचार के कारण किसानों तक वाजिब रकम नहीं पहुंच पाती। गौतमबुद्ध नगर के किसान पिछले दस वर्षों में अधिग्रहीत भूमि का बाजार मूल्य से चार गुना अधिक भुगतान करने, उससे पहले यानी पुरानी अधिग्रहण नीति के तहत ली गई जमीन का बढ़ी हुई कीमत पर भुगतान करने, इन मांगों के संबंध में गठित उच्चाधिकार प्राप्त समिति की सिफारिशों को लागू करने आदि की मांग कर रहे हैं। ये ऐसे मुद्दे नहीं हैं, जिन पर किसानों के साथ तार्किक ढंग से बात न की जा सके। इस मामले में प्रशासनिक शिथिलता के कारण किसान धुंधलके में बने हुए हैं। दरअसल, किसानों की समस्याओं पर कोई भी सरकार संवेदनशील नजर नहीं आती। न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी का मुद्दा पुराना है। इसे लेकर किसान लंबे समय तक धरने पर बैठे रहे। प्रधानमंत्री ने उन्हें आश्वासन दिया कि इस मामले में शीघ्र निर्णय किया जाएगा और किसानों ने धरना वापस ले लिया था। मगर अब तक उस दिशा में कोई कदम आगे नहीं बढ़ाया जा सका है। इस वजह से कई बार पंजाब और हरियाणा के किसान दिल्ली कूच को निकल चुके हैं, जिन्हें रोकने के लिए पुलिस को शक्ति प्रदर्शन करना पड़ा। अपनी समस्याओं को लेकर मांग उठाना किसानों का संवैधानिक अधिकार है। मगर सरकारों से अपेक्षा की जाती है कि वे उनकी मांगों पर संजीदगी दिखाएं। दोनों के बीच जब-तब जोर आजमाइश की कोशिशों से आखिरकार आम लोगों को नाहक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। किसानों की समस्याओं के निपटारे के लिए कोई पारदर्शी और व्यावहारिक तंत्र क्यों नहीं बनना चाहिए?

चीन-नेपाल की नजदीकी का क्या है मतलब ?

इसमें कोई दो राय नहीं कि भारत विरोध और चीन से मित्रता ओली की व्यक्तिगत रुचि रही है। ओली हमेशा चीन के साथ संबंधों को प्रगाढ़ करने की वकालत करते रहे हैं। उन्होंने भारत विरोध का सहारा लेकर ही अपनी राजनीति मजबूत की है, फिर चाहे वह 2015 में की गई सीमा की नाकाबंदी हो, 2019 में सीमा-विवाद का राजनीतीकरण करना हो या फिर नेपाल का एक विवादित नक्शा लाना हो, जिसमें नेपाल ने भारत के कुछ संप्रभु क्षेत्रों को अपना दिखाया। ओली का राजनीतिक झुकाव चीन की ओर होना भारत के लिए चिंता का विषय बना हुआ है, लेकिन उनकी इस यात्रा को नेपाल का भारत से दूर जाना मान लेना भारत की 'पड़ोसी प्रथम' नीति को कमजोर करार देने के बराबर है।

भारत और नेपाल पनबिजली क्षेत्र में एक और मजबूत साझेदारी की ओर अग्रसर हो रहे हैं। इसके अलावा आज भारत नेपाल का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। सीमा विवाद जैसे मुद्दे के बावजूद भारत और नेपाल के द्विपक्षीय संबंधों में मजबूती आई है। दोनों देश विज्ञान और तकनीक जैसे नए क्षेत्रों में भी आगे बढ़ रहे हैं। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली अपनी पहली विदेश यात्रा पर चीन पहुंच गए हैं। इस यात्रा को नेपाल को चीन के और नजदीक ले जाने का सूचक माना जा रहा है, क्योंकि परंपरागत तौर पर नेपाल के नए प्रधानमंत्री पहली विदेश यात्रा पर भारत आते रहे हैं। इसमें कोई दो राय नहीं कि भारत विरोध और चीन से मित्रता ओली की व्यक्तिगत रुचि रही है। ओली हमेशा चीन के साथ संबंधों को प्रगाढ़ करने की वकालत करते रहे हैं। उन्होंने भारत विरोध का सहारा लेकर ही अपनी राजनीति मजबूत की है, फिर चाहे वह 2015 में की गई सीमा की नाकाबंदी हो, 2019 में सीमा-विवाद का राजनीतीकरण करना हो या फिर नेपाल का एक विवादित नक्शा लाना हो, जिसमें नेपाल ने भारत के कुछ संप्रभु क्षेत्रों को अपना दिखाया। ओली का राजनीतिक झुकाव चीन की ओर होना भारत के लिए चिंता का विषय बना हुआ है, लेकिन उनकी इस यात्रा को नेपाल का भारत से दूर जाना मान लेना भारत की 'पड़ोसी प्रथम' नीति को कमजोर करार देने के बराबर है। तथ्य बताते हैं कि जितनी भी बार ओली और उनकी कम्युनिस्ट पार्टी आफ नेपाल (एमाले) ने चीन के साथ समझौते या राजनीतिक संबंधों की वकालत की है, वह मुख्यतः प्रतीकात्मक ही रही है और परिणामों पर कम खरी उतरी है। चूंकि नेपाल में राजनीतिक अस्थिरता एक सामान्य बात है और हर छह-आठ महीनों में एक नई सरकार आती है, ऐसे में हर प्रधानमंत्री का भारत आना नेपाली विदेश नीति के लिए दूसरे पड़ोसी देश की अनदेखा करने का संकेत माना जा सकता है। इससे उसके हित प्रभावित हो सकते हैं। यहां यह भी देखना जरूरी है कि ओली नेपाली कांग्रेस पार्टी के साथ एक गठबंधन वाली सरकार चला रहे हैं और नेपाली कांग्रेस भारत के साथ मजबूत संबंधों की वकालत करती रही है। चूंकि मौजूदा सरकार में विदेश मंत्री नेपाली कांग्रेस से हैं, ऐसे में नेपाली कांग्रेस भारत के साथ इतना बड़ा जोखिम लेने से बचेगी। इसलिए नेपाल दो पड़ोसियों के बीच संतुलित विदेश नीति बनाए रखने का प्रयास कर रहा है, लेकिन सवाल यह है कि क्या ओली का चीन के प्रति झुकाव नेपाल के लिए फायदे का सबब बना है? उत्तर नकारात्मक ही है, क्योंकि नेपाल और चीन के बीच जितने भी बड़े समझौते पिछले दस वर्षों में हुए हैं, उनमें ज्यादातर ठंडे बस्ते में पड़े हैं और यह बात चीन को सताती रही है। मई 2017 में चीन ने नेपाल के साथ बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) पर समझौता किया, जिसे चीन की एक बड़ी कूटनीतिक सफलता के तौर पर देखा गया, क्योंकि भारत लगातार बीआरआई के अंतर्गत बने चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे की आलोचना करता रहा है। बीआरआई समझौते के तहत चीन को नेपाल में बड़े बुनियादी ढांचे वाली तमाम परियोजनाओं में निवेश करना है, जिनमें ट्रांस-हिमालयन बहुआयामी कनेक्टिविटी नेटवर्क खास है, जो नेपाल को रेल एवं सड़क मार्ग से तिब्बत प्रांत से जोड़ने वाला है। इससे ऐसा लगा कि नेपाल चीन के रास्ते भारत पर अपनी निर्भरता कम करने का मार्ग खोज रहा है, लेकिन करीब सात वर्ष बीत जाने के बाद भी नेपाल में ऐसी एक भी परियोजना लागू नहीं हो सकी है। इसके दो कारण हैं। पहला, नेपाल में राजनीतिक अस्थिरता के चलते परियोजनाओं की पहचान नहीं हो पाई है। दूसरा, नेपाल लगातार चीन से बीआरआई के अंतर्गत आने वाली परियोजनाओं के लिए सहयोग वित्तीय सहायता के तौर पर चाहता है। जबकि चीन कर्ज देने में रुचि रखता है। श्रीलंका का उदाहरण देखते हुए नेपाल इससे डर रहा है। बड़े कर्ज के चलते श्रीलंका को अपने हंबनटोटा जैसे बंदरगाह का नियंत्रण चीन के हाथों में देना पड़ा है। अगर नेपाल चीन से कर्ज लेता है तो भविष्य में उसे नेपाल पर दबाव बनाने का अवसर मिलेगा, जो बीआरआई का मुख्य वैश्विक उद्देश्य रहा है। वर्ष 2016 में ओली ने अपनी चीन यात्रा के दौरान उसके साथ परिवहन एवं परिगमन समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत नेपाल चीन के छह बंदरगाहों के रास्ते अन्य देशों से व्यापार कर सकता है।

भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के खतरे को कम करने के लिए अधिक समय तक क्रीज पर टिके रहें. - गिलक्रिस्ट

नई दिल्ली। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी शुरू होने से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाड़ी लगातार अपनी जीत का दावा कर रहे थे. हालांकि, टीम इंडिया ने पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट में बड़ी आसानी से जीत दर्ज कर ली. अब ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट ने अपनी टीम को सलाह दी है।

एडम गिलक्रिस्ट ने रन बनाने के लिए जूझ रहे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को सलाह दी है कि वे एडिलेड में पिंक बॉल से खेले जाने वाले दूसरे टेस्ट में भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के खतरे को कम करने के लिए अधिक समय तक क्रीज पर टिके रहें. उन्होंने खराब फॉर्म से जूझ रहे मार्नस लाबुशेन को टीम में बनाए रखने का भी समर्थन किया है। स्टीव स्मिथ और मार्नस लाबुशेन सहित ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख बल्लेबाज पहले टेस्ट में नहीं चल पाए थे, जिसे भारत ने 295 रन से जीता था. दोनों टीमों के बीच दूसरा टेस्ट डे-नाइट होगा, जो 6 दिसंबर, शुक्रवार से एडिलेड में खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलियाई मीडिया में एडम गिलक्रिस्ट ने कहा, मार्नस पर ऐसा करने (क्रीज पर टिके रहने) की जिम्मेदारी थी और उन्होंने 50 से अधिक गेंदों का सामना करके अच्छा प्रयास किया. अगर आप टेस्ट पारी में 50 से अधिक गेंद का सामना करते हैं तो आप सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं. बस वह रन बनाने का तरीका नहीं ढूंढ पाया और संभवतः ऑस्ट्रेलिया के सभी खिलाड़ी अब सामूहिक रूप से ऐसा प्रयास करना चाहेंगे.

इससे जोखिम पैदा होगा, लेकिन जोखिम लेकर ही आप सफल हो सकते हैं।

लाबुशेन पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं, लेकिन गिलक्रिस्ट ने उन्हें टीम में बनाए रखने का समर्थन किया है. उन्होंने कहा, उन्हें यह याद दिलाने की जरूरत है कि वह बेहद कुशल बल्लेबाज हैं. मुझे यकीन है कि उनके आस-पास के लोग पहले से ही ऐसा कर रहे होंगे. उन्हें अपने अभ्यास पर भरोसा करना होगा।

गौतम गंभीर भारतीय टीम से जुड़ने के लिए ऑस्ट्रेलिया लौ

नई दिल्ली। भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ऑस्ट्रेलिया वापस लौट गए हैं। 26 नवंबर को गौतम फैमिली फंक्शन में हिस्सा लेने के लिए भारत गए हुए थे। गौतम कैनबरा में हुए दो दिवसीय पिंक बॉल प्रैक्टिस मैच में टीम का हिस्सा नहीं थे। इस मैच को भारत ने 6 विकेट से जीता था।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का दूसरा टेस्ट 6 दिसंबर से एडिलेड में खेला जाएगा। इस मैच में वापसी कर रहे कप्तान रोहित शर्मा मिडिल आर्डर में बल्लेबाजी करते दिख सकते हैं। रोहित पर्थ टेस्ट में टीम का हिस्सा नहीं थे।। वे पैटर्नटी लीव पर थे। रोहित की पत्नी रितिका ने बेटे को जन्म दिया है।

गंभीर के न रहने पर असिस्टेंट कोच अभिषेक नायर और रेयान टेन डोशेट की देखरेख में भारतीय टीम ने ट्रेनिंग की थी।

गंभीर के न रहने पर असिस्टेंट कोच अभिषेक नायर और रेयान टेन डोशेट की देखरेख में भारतीय टीम ने ट्रेनिंग की थी।

दूसरे टेस्ट के लिए क्या होगी प्लेइंग-11

गंभीर के लिए दूसरे मैच की प्लेइंग-11 चुनना सबसे बड़ा सिरदर्द होगा। टीम में कप्तान रोहित शर्मा की वापसी हुई है। वहीं प्रैक्टिस मैच में शुभमन गिल ने शानदार अर्धशतक लगाया था। टीम देवदत्त पडिक्कल और ध्रुव जुरेल की जगह इन दोनों प्लेयर्स को प्लेइंग-11 में शामिल करेगी। लेकिन सवाल ये बनता है कि टीम का ओपनिंग कॉम्बिनेशन क्या होगा।

पर्थ टेस्ट की दूसरी इनिंग में जायसवाल और केएल राहुल ने डबल संेचुरी पार्टनरशिप की थी। वहीं पिंक बॉल टेस्ट में भी जायसवाल के साथ राहुल ओपन करने उतरे थे। इस मैच में रोहित शर्मा ने मिडिल ऑर्डर में बैटिंग की थी। ऐसे में एडिलेड टेस्ट में जायसवाल-राहुल की सलामी जोड़ी के साथ गिल तीसरे नंबर पर और रोहित, विराट के बाद मिडिल आर्डर में बैटिंग कर सकते हैं।

गंभीर के न रहने पर भारत ने दो दिन के टूर गेम में ऑस्ट्रेलिया क्क्र-11 को 6 विकेट से हराया था। हालांकि दो दिन तक चलने वाला यह पिंक बॉल मैच पहले दिन बारिश की वजह से शुरू नहीं हो सका था। जिसके बाद 1 दिसंबर को दोनों टीमों ने 46-46 ओवर का मुकाबला खेला था।

इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए प्रधानमंत्री इलेवन ने भारत के सामने 241 रन का लक्ष्य रखा था, जिसे टीम ने 42.5 ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। भारत के लिए अंगूठे की चोट से वापसी कर रहे शुभमन गिल ने सबसे ज्यादा 50 रन बनाए थे। वहीं हर्षित राणा ने 4 विकेट लिए।

22 दिसंबर को शादी करेंगी पीवी सिंधु पिता ने बताया- उदयपुर में होगा समारोह

लखनऊ। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु शादी करने जा रही हैं। वे 22 दिसंबर को उदयपुर में हैदराबाद में रहने वाले वेंकट दत्ता साई से शादी के बंधन में बंधेंगी। वेंकट पोसाइडेक्स टेक्नोलॉजीस में कार्यकारी निदेशक हैं। सिंधु के पिता पीवी रमन ने सोमवार रात लखनऊ में कहा- दोनों परिवार एक-दूसरे को जानते थे, लेकिन एक महीने पहले ही सब कुछ तय हुआ। यह एकमात्र संभावित समय था, क्योंकि जनवरी से उसका (सिंधू का) कार्यक्रम काफी व्यस्त रहने वाला है।

सिंधु के पिता ने कहा, यही कारण है कि दोनों परिवारों ने 22 दिसंबर को शादी समारोह आयोजित करने का फैसला किया। रिसेप्शन 24 दिसंबर को हैदराबाद में होगा। वे जल्द ही अपनी ट्रेनिंग शुरू कर देंगी, क्योंकि अगला सीजन काफी महत्वपूर्ण होने वाला है। शादी से जुड़े कार्यक्रम 20 दिसंबर से शुरू होंगे।

29 साल की भारतीय स्टार पीवी सिंधु ने सोमवार रात सैयद मोदी इंटरनेशनल बैडमिंटन टूर्नामेंट का टाइटल जीत लिया। उन्होंने चीन की वू लुओ यू को 21-14, 21-16 से हराया। सिंधु ने 2 साल 4 महीने बाद कोई टाइटल जीता था। उन्होंने जुलाई 2022 में आखिरी टाइटल जीता था। भारतीय स्टार ने कहा था- इस जीत से मेरा आत्म विश्वास बढ़ेगा। 29 वर्ष का होना मेरे लिए कई मायनों में फायदेमंद है। मेरे पास काफी अनुभव है। मैं निश्चित रूप से कुछ वर्षों तक खेलूंगी।

पीवी सिंधु के लिए पेरिस ओलिंपिक निराशाजनक रहा था। वे राउंड ऑफ 16 से बाहर हो गई थीं। उन्हें चीन की ही बिंग जोओ ने 21-19, 21-19 से हराया था।

नाहिद राणा ने वेस्टइंडीज को बैकफुट पर धकेला, किंग्स्टन टेस्ट के तीसरे दिन 211 रन की बढ़त बनाई

नई दिल्ली। तेज गेंदबाज नाहिद राणा (5 विकेट) की सटीक गेंदबाजी के दम पर बांग्लादेश ने किंग्स्टन में वेस्टइंडीज को बैकफुट पर धकेल दिया है। सोमवार को मुकाबले के तीसरे दिन स्टंप्स तक बांग्लादेशी टीम ने दूसरी पारी में 5 विकेट पर 193 रन बना लिए हैं। जाकेर अली 29 और तैजुल इस्लाम 9 रन के स्कोर पर नाबाद हैं। बांग्लादेशी टीम ने पहली पारी में 164 रन बनाने के बाद वेस्टइंडीज को 146 रन पर ऑलआउट कर दिया और 18 रन की बढ़त ली। फिलहाल, टीम की कुल बढ़त 211 रन हो चुकी है।

शून्य पर गंवाया पहला विकेट, शदमान-मेहदी फिफ्टी चूके

दूसरी पारी में बांग्लादेश की शुरुआत खराब रही। टीम ने शून्य के स्कोर पर पहला विकेट गंवाया। जब जॉयडन सिल्स ने पहले ओवर की 5वीं बॉल पर महमुदुल्ला हसन जॉय को एथनॉज के हाथों स्लिप पर कैच कराया। ऐसे में शदमान इस्लाम ने शहादत हुसैन के साथ पारी को आगे बढ़ाया, लेकिन वे 46 रन पर आउट हो गए। कप्तान मेहदी हसन मिराज ने 42 रनों का योगदान दिया। वेस्टइंडीज की ओर से शमार जोसेफ ने दो विकेट झटके। एक-एक विकेट जॉयडन सिल्स, अल्जारी जोसेफ और जस्टिन ग्रेवस ने लिए।

वेस्टइंडीज 146 रन पर आउट, केसी कर्टी ने 40 रन बनाए

वेस्टइंडीज की पहली पारी में महज 146 रन पर ऑलआउट हो गई। टॉप-3 के अलावा, टीम का कोई भी गेंदबाज दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर सका। ओपनर क्रेग ब्रेथवेट ने 39, माइक लुइस ने 12 और केसी कर्टी ने 40 रन बना सके। नाहिद राणा के अलावा, हसन महमुद ने 2 विकेट लिए। तस्कीन अहमद, तैजुल इस्लाम और मेहदी हसन मिराज ने एक-एक विकेट लिए।

पाकिस्तान टीम ने पहली बार ब्लाइंड टी20 वर्ल्ड कप जीता

नई दिल्ली। पाकिस्तान के क्रिकेट फैंस इस समय फूले नहीं समा रहे होंगे क्योंकि 3 दिसंबर को पाक टीम ने पहली बार ब्लाइंड टी20 वर्ल्ड कप जीता है. अब पाकिस्तान टीम ने टी20 सीरीज के दूसरे मैच में जिम्बाब्वे को महज 57 रनों पर ऑलआउट कर दिया है. जिम्बाब्वे के लिए सर्वाधिक स्कोर ब्रायन बैनेट ने बनाया, जिनके बैट से 21 रन निकले. आलम यह रहा कि टीम के 9 बल्लेबाज रनों के मामले में दहाई का आंकड़ा तक नहीं छू पाए. ये दोनों कारनामे एक ही दिन में हुए हैं.

इस मैच से पूर्व जिम्बाब्वे का टी20 क्रिकेट में सबसे कम स्कोर 82 रन था. इसी साल जनवरी में श्रीलंका ने जिम्बाबे को महज 82 रनों पर ऑलआउट कर दिया था. मगर अब पाकिस्तान ने जिम्बाब्वे को सबसे कम स्कोर पर समेटने का

रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है. पूरी टीम ही 57 रनों पर ऑलआउट हो गई. एक समय जिम्बाब्वे ने बिना विकेट गंवाए 37 रन बना लिए थे, लेकिन अगले महज 20 रन के भीतर सारे 10 विकेट गिर गए. पाकिस्तान ने 58 रनों का लक्ष्य महज 33 गेंदों में हासिल कर लिया है।

ब्लाइंड टी20 वर्ल्ड कप में भी रचा इतिहास

ब्लाइंड टी20 वर्ल्ड कप की शुरुआत साल 2012 में हुई थी और अब तक इसके चार संस्करण हो चुके हैं.

पाक टीम 2012 और 2017 में हुए विश्व कप के फाइनल में पहुंची, लेकिन दोनों बार उसे भारत के हाथों हार झेलनी पड़ी थी. इस बार आखिरकार पाकिस्तान ने फाइनल में बांग्लादेश को 10 विकेट से हराकर ब्लाइंड टी20 वर्ल्ड कप जीता. पाक टीम की जीत इसलिए भी खास रही क्योंकि टीम ने 140 रनों के लक्ष्य को बिना विकेट गंवाए मात्र 11 ओवरों में हासिल कर लिया था. पाक टीम ने यह जीत मुल्तान में अपने घरेलू फैंस के सामने दर्ज की.

व्यापार

जुलाई-सितंबर तिमाही में स्विगी को 626 करोड़ का घाटा, रेवेन्यू 30 प्रतिशत बढ़कर 3601 करोड़ रहा

नई दिल्ली। ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी को वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में 626 करोड़ रुपए का नुकसान (कॉन्सोलिडेटेड नेट लॉस) हुआ है। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी को 657 करोड़ रुपए का लॉस हुआ था। सालाना आधार पर कंपनी का घाटा 4.72 प्रतिशत कम हुआ है। जुलाई-सितंबर तिमाही में रेवेन्यू 30.33 प्रतिशत बढ़कर 3601 करोड़ रुपए रहा। जुलाई-सितंबर 2023-24 में कंपनी ने 2763 करोड़ रुपए का रेवेन्यू जनरेट किया था। वस्तुओं और सेवाओं को बेचने से होने वाली कमाई को रेवेन्यू या राजस्व कहा जाता है। स्विगी 13 नवंबर को शेयर बाजार में लिस्ट हुई थी, तब से अब तक इसके शेयर में 14.18 प्रतिशत की बढ़ोतरी

हुई है।

वित्त वर्ष 2024 में स्विगी की फाइनेंशियल कंडीशन में भी सुधार हुआ था। एफवाई 2024 में स्विगी का रेवेन्यू 36त्न बढ़कर 11,247 करोड़ रुपए रहा, जो इसके पिछले वित्त वर्ष में 8,265 करोड़ रुपए था।

वहीं कंपनी ने इस दौरान अपने घाटे को भी 44 प्रतिशत तक कम कर लिया और वित्त वर्ष 2024 में यह 2,350 करोड़ रुपए रहा, जो इसके पिछले साल 4,179 करोड़ रुपए था। कंपनी को अपनी लागत को काबू में रखने के चलते घाटा कम करने में मदद मिली है।

हालांकि, स्विगी का प्रदर्शन जोमैटो की तुलना में कम है, फिर भी उसने स्न्ङ्घ24 में अपने प्रतिद्वंद्वी से अंतर को कम किया है। जोमैटो ने वित्त वर्ष 2024 में 12,114 करोड़ रुपए का रेवेन्यू दर्ज किया, जबकि स्विगी का रेवेन्यू 11,247 करोड़ रुपए रहा। इसी तरह, जोमैटो ने 351 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया, जबकि स्विगी का घाटा 2,350 करोड़ रुपए रहा था।

एपल पर अपने एम्प्लॉइज की जासूसी का आरोप उसके कर्मचारी ने ही दायर किया मुकादमा

कैलिफोर्निया। टेक कंपनी एपल पर अपने एम्प्लॉइज के डिवाइस और आई कलाउड अकाउंट के जरिए अवैध रूप से जासूसी करने का आरोप लगा है। कंपनी के डिजिटल एडवरटाइजिंग डिपार्टमेंट में काम करने वाले एम्प्लॉई अमर भक्त ने रविवार (2 दिसंबर) को कैलिफोर्निया में मुकादमा दायर कर ये आरोप लगाया है।

अमर ने दावा किया है कि एपल एम्प्लॉई से नौकरी की शर्त के तौर पर निजता के अधिकार को छोड़ने की मांग करता है। मुकदमे में यह भी आरोप लगाया गया है कि एपल एम्प्लॉइज को एक ऐसी नीति पर सहमत होने की मांग भी करता है, जिसके तहत कंपनी उनके घर में रहते हुए भी फिजिकल, वीडियो और इलेक्ट्रॉनिक रूप से निगरानी कर सकती है।

एपल एम्प्लॉइज से किसी भी काम के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले पर्सनल डिवाइस पर सॉफ्टवेयर इंस्टॉल करने की मांग करता है। यह सॉफ्टवेयर एपल को एम्प्लॉइज के पर्सनल डिवाइस पर कुछ ऐप्स तक पहुंचने की अनुमति देता है।

मुकदमे में दावा किया गया कि एम्प्लॉइज के लिए एपल इकोसिस्टम कोई चारदीवारी वाला बगीचा नहीं है। यह एक जेल यार्ड है। एक ऐसा पैनोप्टिकॉन, जहां एम्प्लॉई चाहे ड्यूटी पर हों या नहीं एपल की निगरानी में रहते हैं।

अमर का कहना है कि एपल एम्प्लॉइज के पर्सनल डेटा की जासूसी करता है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, एपल की पॉलिसी में कहा गया है कि अपने पर्सनल डिवाइस का इस्तेमाल करते समय एम्प्लॉई के पर्सनल अकाउंट से जुड़ा कोई भी डेटा कंपनी के सर्च के अधीन है। इसमें ईमेल, फोटो, वीडियो, नोट्स सहित अन्य चीजें शामिल हैं। अमर भक्त ने मुकदमे में यह भी आरोप लगाया कि एपल एम्प्लॉइज को उनके काम करने की स्थिति और वेतन के बारे में बात करने की अनुमति न देकर उनके बोलने पर प्रतिबंध लगाता है। यहां तक की कंपनी एम्प्लॉइज की राजनीतिक गतिविधियों पर भी प्रतिबंध लगाती है।

कोयला खदानों से गैस निकालने की योजना पकड़ेगी रफ्तार, 85 अरब रुपये की मदद देगी सरकार

नई दिल्ली। कोयला खदानों से गैस निकालने की सरकार की मंशा दो दशक पुरानी है लेकिन इसमें अभी तक खास सफलता हासिल नहीं हुई है। लेकिन अब उम्मीद की जा रही है कि इस बारे में सरकार की योजना जल्द ही रफ्तार पकड़ेगी। इस क्रम में सोमवार को केंद्र सरकार की तरफ से चार कंपनियों का चयन किया गया है जिन्हें कोल गैसिफिकेशन प्रोजेक्ट के तहत वित्तीय प्रोत्साहन दिया जाएगा।

इनके नाम हैं भारत कोल गैसिफिकेशन एंड केमिकल्स लिमिटेड, कोल इंडिया लिमिटेड और गेल इंडिया का संयुक्त उपक्रम, कोल इंडिया और न्यू इरा क्लीनटेक सोल्यूशंस। इसमें न्यू ईरा क्लीनटेक सॉल्यूशंस को तीसरी श्रेणी के तहत छोटे आकार की परियोजना लगाने की अनुमति होगी और इस हिसाब से इसे वित्तीय प्रोत्साहन मिलेगा।

केंद्रीय कैबिनेट ने कुछ महीने पहले

8500 करोड़ रुपये की एक प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी थी। इस फंड से उन कंपनियों को राशि उपलब्ध कराई जाएगी जो देश के कोयला खदानों से गैस निकालने की योजना में काम करेंगे। इसके लिए कोयला मंत्रालय के पास पांच कंपनियों ने आवेदन किया था। इनमें से ही उक्त चारों कंपनियों का चयन किया गया है।

कंपनियों को उक्त परियोजना लगाने के लिए पूंजीगत उत्पाद खरीदने को कर छूट दिया जाएगा और ब्याज दर अदाएगी आदि में सब्सिडी दी जाएगी। सरकार ने वर्ष 2030 तक कोल गैसिफिकेशन परियोजनाओं से 10 करोड़ टन गैस निकालने का लक्ष्य रखा है। इसकी घोषणा आम बजट 2024-25 में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने की थी।

देश के कोल गैसिफिकेशन क्षेत्र में सरकार व निजी कंपनियों की तरफ से अगले कुछ वर्षों में चार लाख करोड़ रुपये का निवेश किये जाने की संभावना है।

इसमें रोजगार के नये अवसर भी काफी निकलेंगे। कोयला मंत्रालय का आंकलन है कि यह भारत में कार्बन उत्सर्जनक कम करने में भी काफी मददगार साबित होगा।

कोयला खदानों से निकलने वाले गैस का इस्तेमाल ईंधन में या औद्योगिक क्षेत्र में किया जा सकता है। इसकी आपूर्ति गैस आधारित बिजली संयंत्रों को भी हो सकती है। भारत में अभी 24 हजार मेगावाट क्षमता की बिजली परियोजनाएं गैस की कमी की वजह से ठप्प पड़ी हुई हैं। इन्हें कोल गैसिफिकेशन से प्लांट से गैस की आपूर्ति हो सकती है।

अगर बड़ी मात्रा में गैस की आपूर्ति सुनिश्चित होती है तो सरकार की तरफ से संबंधित कोयला खदान के आस पास उर्वरक प्लांट लगाने का फैसला भी हो सकता है।

मॉर्गन-स्टेनली ने भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान घटाया वित्त वर्ष 25 के लिए 6.7 प्रतिशत से 6.3 प्रतिशत किया

नई दिल्ली। मॉर्गन स्टेनली ने वित्त वर्ष 25 के लिए भारत की ग्रॉस डोमेस्टिक प्रोडक्ट यानी जीडीपी ग्रोथ रेट के अनुमान को रिवाइज कर 6.3 प्रतिशत कर दिया है। मल्टीनेशनल इन्वेस्टमेंट बैंक और फाइनेंशियल सर्विसेज कंपनी ने पहले यह अनुमान 6.7 प्रतिशत बताया था।

मॉर्गन स्टेनली ने इससे पहले भारत की ग्रोथ रेट का अनुमान वित्त वर्ष 25 के लिए 6.7 प्रतिशत बताया था। सितंबर 2024 को समाप्त तिमाही में ग्रोथ स्लोडाउन के बाद मॉर्गन स्टेनली ने यह डाउनग्रेड किया है।

भारत की जीडीपी ग्रोथ 2024 की जुलाई-सितंबर तिमाही में साल-दर-साल धीमी होकर 5.4 प्रतिशत हो गई, जो मार्च 2023 के बाद से इसका सबसे निचला स्तर है। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के खराब प्रदर्शन के कारण

जीडीपी ग्रोथ धीमी हुई है।

2023 की तीसरी तिमाही में ग्रोथ 4.3 प्रतिशत रही थी। वहीं एक साल पहले समान तिमाही में यह 8.1 प्रतिशत थी। पिछली तिमाही यानी, क्यू1एफवाई25 में ये 6.7 प्रतिशत रही थी। भारत का जीवीए जुलाई-सितंबर तिमाही में 5.6 प्रतिशत की दर से बढ़ा है। एक साल पहले की समान तिमाही में जीवीए ग्रोथ 7.7 प्रतिशत रही थी। वहीं पिछली तिमाही में जीवीए ग्रोथ 6.8 प्रतिशत थी।

धीमी जीडीपी ग्रोथ के बावजूद भारत प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के बीच अभी भी सबसे तेजी से बढ़ती इकोनॉमी बना हुआ है। इस साल जुलाई-सितंबर तिमाही में चीन की त्नष्ठक्क ग्रोथ 4.6 प्रतिशत रही। वहीं जापान की जीडीपी 0.9 प्रतिशत की दर से बढ़ी है।

जीडीपी यानी ग्रॉस डोमेस्टिक प्रोडक्ट देश में एक अवधि के भीतर उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के कुल मूल्य को मापती है। इसमें देश की सीमा के अंदर रहकर जो विदेशी कंपनियां प्रोडक्शन करती हैं, उन्हें भी शामिल किया जाता है। जीडीपी इकोनॉमी की हेल्थ को बताती है।

जीडीपी दो तरह की होती है। रियल जीडीपी में वस्तुओं और सेवाओं की वैल्यू का कैलकुलेशन बेस ईयर की वैल्यू या स्टेबल प्राइस पर किया जाता है। फिलहाल जीडीपी को कैलकुलेट करने के लिए बेस ईयर 2011-12 है। वहीं, नॉमिनल त्नष्ठक्क का कैलकुलेशन करंट प्राइस पर किया जाता है। साधारण शब्दों में कहा जाए तो जीवीए से किसी अर्थव्यवस्था में होने वाले कुल आउटपुट और इनकम का पता चलता है। यह बताता है कि एक तय अवधि में इनपुट कॉस्ट और कच्चे माल का दाम निकालने के बाद कितने रुपए की वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन हुआ। इससे यह भी पता चलता है कि किस खास क्षेत्र, उद्योग या सेक्टर में कितना उत्पादन हुआ।

नेशनल अकाउंटिंग के नजरिए से देखें तो मैक्रो लेवल पर त्नष्ठक्क में सब्सिडी और टैक्स निकालने के बाद जो आंकड़ा मिलता है।

प्रदेश में आमजन सहित हजारों की संख्या में प्रतिभागी रवि-राज कार्यक्रम का हिस्सा होंगे - डॉ. नीरज के पवन

'रन फॉर विकसित राजस्थान' का आयोजन 12 दिसंबर को

पेरिस ओलंपिक-2024 एवं एशियन गेम्स-2023 के खिलाड़ी होंगे सम्मानित

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। राज्य सरकार के कार्यकाल का एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 12 दिसंबर को जयपुर में 'रन फॉर विकसित राजस्थान-2024' (रवि-राज) का आयोजन किया जायेगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और युवा एवं खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ प्रातः 8 बजे जनपथ स्थित अमर जवान ज्योति से रन फॉर राजस्थान को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। युवा मामले एवं खेल विभाग के शासन सचिव डॉ. नीरज कुमार पवन ने मंगलवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में 'रन फॉर विकसित राजस्थान' कार्यक्रम के आयोजन की तैयारियों के सम्बन्ध में बैठक ली और संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होंने कार्यक्रम में ज्यादा से ज्यादा प्रतिभागियों का भाग लेना सुनिश्चित करने और उनके लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निर्देश दिये। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का मार्ग अमर जवान ज्योति से एसएमएस स्टेडियम का पूर्ण चक्कर लगाकर टोंक रोड, रामबाग सर्किल, डॉ. भीमराव अम्बेडकर सर्किल से अमर जवान ज्योति रहेगा। कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों, एनसीसी, एनएसएस, भारत/हिन्दुस्तान स्काउट एंड गाइड, पुलिस, आरएसी, सेना, होमगार्ड, विभिन्न कर्मचारी संघ, एनजीओ और आमजन सहित हजारों की संख्या में प्रतिभागी रवि-राज कार्यक्रम का हिस्सा होंगे। डॉ. पवन ने बताया कि कार्यक्रम में सेना, पुलिस, आरएसी, स्काउट एंड गाइड आदि संस्थाओं द्वारा बैंडवादन सहित राजस्थानी लोक कलाकारों के नृत्य की विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी आयोजित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर पेरिस ओलंपिक-2024 के प्रतिभागी खिलाड़ी एवं एशियन गेम्स-2023 के पदक विजेताओं को सम्मानित किया जायेगा। उन्होंने बताया कि स्वामी विवेकानंद जयंती (राष्ट्रीय युवा दिवस) के उपलक्ष्य में 12 दिसंबर 2024 से 12 जनवरी 2025 को ÷विवेक मास÷ के रूप में मनाया जायेगा। इस पूरे महीने सम्पूर्ण प्रदेश में खेल प्रतियोगिताएं एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। बैठक में युवा मामले एवं खेल विभाग की उपशासन सचिव अनीता मीणा, जयपुर एडीएम आशीष कुमार, क्रीडा परिषद् के सचिव राजेंद्र कुमार सिसोदिया, युवा बोर्ड के सदस्य सचिव कैलाश चंद पहाड़िया, डीओआईटी, पर्यटन, नगर निगम ग्रेटर, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, कौशल नियोजन, स्काउट गाइड, हायर एजुकेशन आदि सम्बंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहें।

बांग्लादेश के खिलाफ जयपुर में संतों का प्रदर्शन

कांग्रेस जिहादियों के साथ खड़ी - बालमुकुंद आचार्य

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक बालमुकुंद आचार्य के नेतृत्व में जयपुर में सभी मठ मंदिरों के महंत और साधु संतों ने बांग्लादेश के खिलाफ सांकेतिक प्रदर्शन किया। संतों का कहना है कि बांग्लादेश में हिंदुओं, साधु-संतों और मंदिरों के ऊपर जो हमले हो रहे हैं उसे हम बर्दाश्त नहीं करेंगे। राजस्थान में हवा महल से भाजपा विधायक बालमुकुंद आचार्य ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि बांग्लादेश में लगातार जिहादियों के द्वारा हिंदुओं को टारगेट किया जा रहा है। जिस भारत ने बांग्लादेश को खड़ा किया, आज वही बेटा हमें आंख दिखा रहा है और हमारे सनातनी भाई बहनों के साथ दुराचार, अत्याचार कर रहा है। हम लोगों ने आज इकट्ठे होकर प्रतीकात्मक रूप में एक छोटा सा आयोजन किया है। हम यह संदेश देना चाहते हैं कि बांग्लादेश के सनातनी भाई-बहनों की सुरक्षा में भारत के सभी सनातनी खड़े हैं।

भारत का संपूर्ण सनातनी इकट्ठा होकर सामूहिक रूप से यह संदेश पूरी दुनिया में दे रहा है कि जहां भी सनातनी रहते हैं वो हमारा परिवार है। उनके साथ अत्याचार अब बर्दाश्त नहीं है। भाजपा विधायक ने आगे कहा कि हमारा बांग्लादेश के सनातनियों को संदेश है कि हम उनके साथ हैं। हम राज्यपाल और राष्ट्रपति को ज्ञापन देंगे। उसके बाद में हमें आवश्यकता पड़ी, तो सनातनी यहां से हजारों लाखों की संख्या में बांग्लादेश की ओर जाकर अपने सनातनी भाई बंधुओं के लिए, उनकी सुरक्षा में सेवा में उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा उन्होंने कहा कि कांग्रेस और अन्य राजनीतिक दलों पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है और उनकी तरफ से कोई बयान नहीं आया है। उन्होंने आरोप लगाया कि वे कहीं न कहीं जिहादियों के साथ खड़े हैं। यह समझ में आ गया है कि कौन सनातनियों के साथ है और कौन जिहादियों के साथ खड़ा है। बांग्लादेश में हमारी बहन-बेटियों के साथ जो अत्याचार हुआ है, हमारे हिंदू भाईयों के व्यापार को लूटा गया है। इस पर कांग्रेस के एक भी व्यक्ति ने एक शब्द भी नहीं बोला है। इससे समझ आता है कि कांग्रेस और उनके मित्र कहीं न कहीं जिहादियों के साथ और सनातन के खिलाफ खड़े हैं। उसका प्रमाण कई बार दिया है। भले ही राम मंदिर का मामला हो, राम सेतु की बात हो, सनातनियों की कभी भी कोई बात आई तो कभी भी कांग्रेस उनके साथ नहीं खड़ी थी। सनातनियों के खिलाफ खड़ी थी। यह भी एक संदेश गया है कि कौन सनातन के साथ है और कौन तिरंगे के साथ है।

राजस्थान कोऑपरेटिव सबोर्डिनेट सेवा के निर्वाचन में सुमित्रा चौधरी की अभूतपूर्व जीत, मिले 264 मत

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। कोऑपरेटिव संगठन राजस्थान कोऑपरेटिव सबोर्डिनेट सेवा के निर्वाचन कार्य संपन्न है गया जिसमें सुमित्रा चौधरी भारी मतों से विजय घोषित कि गई। संगठन का राजस्थान कोऑपरेटिव सबोर्डिनेट सेवा के निर्वाचन नेहरू सरकार भवन 22 गोदाम रोड की चतुर्थ तल पर प्रेस कॉन्फ्रेंस हॉल में संपन्न हुए। निर्वाचन प्रक्रिया में कुल 329 निरीक्षकों ने भाग लिया जिसमें सुमित्रा चौधरी को कुल मत 329 में से 264 मत मिले। निकटतम प्रतिद्वंदी उमा चौधरी को 53 मत मिले अन्य प्रतियोगी प्रेमचंद चौधरी को 9 मत मिले एवं मीनाक्षी चौधरी को 3 मत मिले। सुमित्रा चौधरी ने 211 मतों के अंतर से अभूतपूर्व विजय प्राप्त की। उम्मीदवार सुमेश बेनीवाल ने अपना नाम उम्मीदवारी से वापस ले लिया ले लिया। इससे पूर्व विधिवत रूप से प्रातः 10 बजे से आम सभा प्रारंभ की गई जिसमे समिति सदस्यों ने बहुमत से प्रोटेम स्पीकर टीकाराम त्रिवेदी का चयन करने का निर्णय पारित किया। इनकी अध्यक्षता में आमसभा ने निर्वाचक मंडल का गठन किया गया। निर्वाचक मंडल में अल्पना विमल को सर्वसम्मति ध्वनिमत से प्रस्ताव पारित पर चयन किया गया। तत्पश्यात शिवली सिंह एवं दर्शन सिंह को सहायक निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया। निर्वाचन परिणाम जारी होने के उपरांत नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुमित्रा ने सहकार भवन में राज्यभर से आए निरीक्षकों को संबोधित किया जिसमें उन्होंने सहकारी निरीक्षकों के कार्यों, समस्याओं, मांगो और हित संवर्धन के लिए सभी को तत्पर रहने की बात कही। और सभी से एक रहने की भी की। नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुमित्रा चौधरी ने राज्यभर से निर्वाचन प्रक्रिया में भाग लेने वाले निरीक्षकों और निर्वाचन कार्य को शांतिपूर्ण निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी अल्पना विमल एवम सहयोगी सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

गृह रक्षा संगठन के 62वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में मैराथन दौड़ का आयोजन

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। गृह रक्षा संगठन के 62वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार को गृह रक्षा प्रशिक्षण केन्द्र जयपुर से मैराथन दौड का आयोजन किया गया। मैराथन में पुलिस महानिरीक्षक, गृह रक्षा संदीप सिंह चौहान ने शिरकत करते हुए मैराथन के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों एवं होमगार्ड स्वयंसेवकों की हौसला अफजाई की।

गृह रक्षा प्रशिक्षण केन्द्र जयपुर की कार्यालय अध्यक्ष कमाण्डेन्ट सुमन ढाका की अगुवाई में मैराथन का शुभारम्भ संसार चन्द्र रोड स्थित गृह रक्षा प्रशिक्षण केन्द्र से हुआ, जिसमें अल्बर्ट हॉल, जेडीए सर्किल, हाईकोर्ट सर्किल, स्टेच्यू सर्किल व पांच बत्ती को शामिल करते हुए पुनः कार्यालय परिसर में मैराथन का समापन हुआ। उन्होंने बताया कि साप्ताहिक कार्यक्रम के दौरान रक्तदान शिविर, सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्वच्छता अभियान और जिला स्तरीय परेड समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस मैराथन दौड़ में केन्द्र के अधिकारियों, कर्मचारियों सहित लगभग 300 होमगार्ड स्वयंसेवकों ने बढ़-चढ कर हिस्सा लिया।

महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने स्वच्छ शौचालय अभियान के तहत सार्वजनिक शौचालयों का किया औचक निरीक्षण

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। नगर निगम ग्रेटर जयपुर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर द्वारा स्वच्छ शौचालय अभियान के तहत शहर के सार्वजनिक शौचालयों का औचक निरीक्षण किया। इस अभियान का उद्देश्य शौचालयों की सफाई व्यवस्था और उपलब्ध सुविधाओं की स्थिति का आकलन करना था। निरीक्षण के दौरान महापौर ने आमजन से शौचालय की सफाई व्यवस्था पर सीधा फीडबैक लिया, जिसमें उन्होंने कॉलेज के छात्रा और शौचालय का नियमित उपयोग करने वाले एक दुकानदार से बातचीत कर उनकी राय जानी। महापौर ने निरीक्षण के दौरान शौचालयों में पानी की उपलब्धता, शौचालय परिसर और उसके आसपास की सफाई, सैनिटरी पैड मशीन, हैंड वॉश और डस्टबिन की उपलब्धता की भी जांच की। महापौर ने मौके पर उपस्थित शौचालय इंचार्ज को सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए सार्वजनिक शौचालयों की उचित देखभाल अत्यंत आवश्यक है, और आमजन के फीडबैक के आधार पर सुधार के सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी बैडमिंटन टूर्नामेंट का जेजेटी यूनिवर्सिटी में भव्य आगाज

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

झुंझुनूं। श्री जेजेटी यूनिवर्सिटी, चुड़ैला में ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी बैडमिंटन टूर्नामेंट 2024-25 का शुभारंभ उत्साह और भव्यता के साथ किया गया। मुख्य अतिथि श्रीमती उमा टीबड़ेवाला और चेयरपर्सन डॉ. विनोद टीबड़ेवाला ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर इस प्रतिष्ठित आयोजन का उद्घाटन किया। टूर्नामेंट का समापन 7 दिसंबर को होगा। इस आयोजन में देशभर के 350 से अधिक बैडमिंटन खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं, जो भारत के प्रमुख विश्वविद्यालयों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। प्रेसिडेंट डॉ. दवेंद्र सिंह ढुल ने अपने संबोधन में बताया कि यह जिम्मेदारी भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा जेजेटी यूनिवर्सिटी को दी गई है। उन्होंने इस अवसर पर विश्वविद्यालय को देश की शीर्ष 10 विश्वविद्यालयों में शामिल होने पर गर्व व्यक्त किया। कार्यक्रम का आकर्षण गायक रामकेश जीवनपुरिया, एम.के. मकराना और मा. हरीश की संगीतमय प्रस्तुतियां रहीं, जिन्होंने खिलाड़ियों और दर्शकों का मनोरंजन किया। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम का संचालन आरती पंवार और डॉ. कंचन द्वारा कुशलता से किया गया।

पहले दिन के मुकाबले बेहद रोमांचक रहे। खिलाड़ियों के जोश और प्रतिस्पर्धा ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। टूर्नामेंट में खेल भावना और अनुशासन का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। चेयरपर्सन डॉ. विनोद टीबड़ेवाला और निदेशक संपदा इंजी बालकृष्ण टीबड़ेवाला ने आयोजन की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। वहीं, डॉ. रामदर्शन फोगाट ने स्वागत उद्बोधन देकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस आयोजन में विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही, जिनमें एडवाइजरी बोर्ड की सदस्य डॉ. मधु गुप्ता, श्रीमती प्रेमलता टीबड़ेवाला, जॉइंट डायरेक्टर हरेंद्र प्रताप सिंह, डॉ. अंजू सिंह सरकार, मुख्य वित्त अधिकारी डॉ. अमन गुप्ता, और अन्य प्रतिष्ठित व्यक्ति शामिल थे। यह टूर्नामेंट न केवल खिलाड़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है, बल्कि जेजेटी यूनिवर्सिटी के उत्कृष्ट संगठनात्मक कौशल का परिचायक भी है। टूर्नामेंट की सफलता सभी प्रतिभागियों और आयोजकों की मेहनत का परिणाम है।

सीएमए जयपुर चैप्टर ने केंद्रीय विद्यालय मानसरोवर में कैरियर काउन्सलिंग का आयोजन

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। दी इन्स्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउन्टेन्ट्स ऑफ इंडिया के जयपुर चैप्टर द्वारा केन्द्रीय विद्यालय नम्बर-5, मानसरोवर में कैरियर काउन्सलिंग का आयोजन किया गया। इस प्रोग्राम में जयपुर चैप्टर के चेयरमैन सीएमए डॉ. दीपक कुमार खण्डेलवाल, जॉइन्ट सैक्रेटरी सीएमए दीप्तांशू पारीक और सीएमए मैम्बर नितिन खण्डेलवाल ने सीएमए कोर्स की एलिजिबिलिटी, सिलेबस, अवधि, फीस, उपलब्ध अवसरों एवं कैम्पस प्लेसमेंट आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्रोग्राम में 120 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

रूपबास अभिभाषक संघ के चुनाव की अधिसूचना जारी, चुनाव 13 दिसंबर को

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

रूपबास। रूपबास अभिभाषक संघ के अध्यक्ष पद का चुनाव की अधिसूचना मंगलवार को समस्त अभिभाषक संघ रूपबास को सूचनार्थ चुनाव अधिकारी हरदौल सिंह परमार द्वारा प्रेस नोट दिया गया। जिसमें सन 2024-2025 के नवीन कार्यकारिणी हेतु वार्षिक चुनाब आयोजित कराये जावेंगे जिसका चुनाव कार्यक्रम निस्न प्रकार है। यह है कि मंगलवार को अंतरिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया गया। बुधवार को सुबह 11 बजे से गुरूवार को दोपहर 01 बजे तक अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष, पुस्तकालय अध्यक्ष, ऑडिटर पद हेतु नामांकन फार्म वितरित किये जावेंगे जो कि निर्धारित नकद शुल्क चुनाब अधिकारी कार्यालय में जमा कराकर व्यक्तिगत रूप से स्वयं प्राप्त किये जा सकते हैं तथा सभी पदों के नामांकन फॉर्म गुरूवार को सांय 3 बजे तक जमा किये जावेंगे तथा गुरूवार को समय 3 बजे से 5 बजे तक नाप वापिसी की प्रकिया अपनाई जावेगी। निर्धारित समय पश्चात नामांकन फार्म व नाम वापिसी स्वीकार नही होंगे। अध्यक्ष पद हेतु नामांकन फ़ार्म का शुल्क 3100/- रूपयेव उपाध्यक्ष हेतु शुल्क 500/- रूपये शेष पदों के लिए प्रत्यक पद के लिए 200/- रूपये प्रति फ़ार्म चुनाव अधिकारी कार्यालय में नामांकन जमा कराने होंगे। शुक्रवार को सुबह 12 बजे तक चुनाब चिन्ह आर्वांटित किये जावेंगे। आवश्यकता होने पर 13 दिसंबर 2024 को सुबह 11 बजे से सांयकाल 4 बजे तक मतदान कराया जावेगा तथा उसी दिन सांयकाल 4.30 बजे को मतों की मतगणना प्रारंभ कर चुनाब परिणाम घोषित किया जावेगा। नामांकन पत्र की राशि किसी भी सूरत में. बापिस नही की जावेगी।

चुनाव अधिकारी हरदौल सिंह परमार ने बताया कि कार्यकारिणी का चुनाव विधान के अनुसार पारदर्शिता एवं स्वच्छ प्रक्रिया अनुसार कराया जाएगा। अगर अभिभाषक संघ आपसी सलाह मशविरा कर सर्वसहमति से अध्यक्ष तथा कार्यकारिणी का गठन करते हैं तो स्वागत योग्य है अथवा चुनाव घोषित चुनाव समय पर ही कराया जाएगा।

जयपुर विकास प्राधिकरण में कार्यकारी समिति की बैठक आयोजित

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। जयपुर विकास आयुक्त आनन्दी की अध्यक्षता में जेडीए के मंथन सभागार में मंगलवार को कार्यकारी समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में विभिन्न प्रकरणों पर विचार - विमर्श पश्चात् स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में जोन-6 में सीकर रोड (रोड नं. 14 एनएच बाईपास से चौंमू पुलिया तक) पर 24.08 करोड रूपय के सडक सुधार एवं सुदृढ़ीकरण कार्य की निविदा की स्वीकृति दी गई।

घाट की गुणी टोल प्लाजा पर उपयोगकर्ता शुल्क (टोल शुल्क) के संचालन, रखरखाव और संग्रह के लिए 91.11 करोड़ रूपये की निविदा का कार्योत्तर स्वीकृति दी गई। जोन-7 में सी-जोन बाईपास से मुंडिया रामसर कल्वर्ट (सी-जोन बाईपास से सिरसी मोड तक) बॉक्स ड्रेन के निर्माण कार्य के लिए (चरण-1) हेतु 9.38 करोड़ रूपये एवं (चरण-II) हेतु 9.38 करोड़ रूपये की निविदा का अनुमोदन किया गया। सीकर रोड से बढारना जेडीए योजना तक मुख्य नाले का निर्माण तथा सब्जी मंडी पुलिया से उक्त नाले तक 100 फीट रोड के साथ नाली निर्माण कार्य के लिए 27.79 करोड़ रूपये की निविदा का अनुमोदन किया गया।

जरूरी नहीं 16 तरह की पूजा, होना चाहिए सम्मान

एसकेमंगल

वशिष्ठ जी जब श्रीराम जी को युवराज पद से पहले मंत्र देने पहुंचे तो श्रीराम ने सोलह उपचार यानि 16 तरीके से उनकी गुरु पूजा की। इसमें पाद्य, अर्घ्य, आचमन, स्नान, वस्त्र, आभूषण, गंध, पुष्प, धूप, दीप, नेवैद्य, आचमन, ताम्बुल, स्तवपाठ, तर्पण और नमस्कार। पूजन के अंत में सांगता सिद्धि के लिए दक्षिणा भी चढ़ाई। रामचरितमानस में वशिष्ठ जी की पूजा के बारे में वर्णन किया गया है। श्री राम ने वशिष्ठ जी के पैर धोए। श्री राम ने वशिष्ठ जी को अर्घ्य दिया। श्री राम ने वशिष्ठ जी को आचमन कराया। श्री राम ने वशिष्ठ जी को मधुपर्क प्रदान किया। श्री राम ने वशिष्ठ जी को पंचगव्य प्रदान किया। श्री राम ने वशिष्ठ जी को स्नान कराया। श्री राम ने वशिष्ठ जी को नए वस्त्र प्रदान किए। श्री राम ने वशिष्ठ जी को यज्ञोपवीत प्रदान किया। श्री राम ने वशिष्ठ जी को आभूषण प्रदान किए। श्री राम ने वशिष्ठ जी को गंध प्रदान की। श्री राम ने वशिष्ठ जी को पुष्प प्रदान किए। वशिष्ठ जी को धूप प्रदान की। दीप प्रदान किए। श्री राम ने वशिष्ठ जी को नैवेद्य प्रदान किया। वशिष्ठ जी को तांबूल प्रदान किया। श्री राम ने वशिष्ठ जी की प्रदक्षिणा की। इन 16 प्रकार की पूजा के माध्यम से, श्री राम ने वशिष्ठ जी का सम्मान और आदर किया।

आज के युग में, गुरु की पूजा करने के तरीके थोड़े बदल गए हैं। हालांकि, कई हिंदू व सनातन धर्म के अनुयायी अभी भी अपने गुरुओं की पूजा करने के लिए पारंपरिक तरीकों का पालन करते हैं। आज के युग में, गुरु की पूजा करने के कुछ तरीके हैं। पाद्य और अर्घ्य. कई लोग अपने गुरुओं के पैर धोते हैं और उन्हें अर्घ्य देते हैं। फूल और फल. लोग अपने गुरुओं को फूल और फल चढ़ाते हैं। कई लोग गुरुओं को प्रसाद चढ़ाते हैं। गुरुओं की आरती पूजा करते हैं। गुरुओं की सेवा करते हैं और उनके लिए समर्पित रहते हैं। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि गुरु की पूजा करने के तरीके व्यक्तिगत और सांस्कृतिक रूप से भिन्न हो सकते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि गुरु के प्रति सम्मान, आदर और कृतज्ञता की भावना होनी चाहिए।

शिक्षा के लिए बीएसएनएल की नई पहल, विद्या मित्रम योजना शुरू

प्रतिभाशाली छात्रों को मिलेगा बीएसएनएल फाइबर कनेक्शन

हिंदुस्तान एक्सप्रेस

बून्दी। डिजिटल सशक्तिकरण और शिक्षा के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी कदम उठाते हुए भारत संचार निगम लिमिटेड ने विद्या मित्रम योजना शुरू की है। इस योजना में दानदाता जरूरतमंद और प्रतिभाशाली छात्रों को फाइबर-टू-द-होम (एफटीटीएच) कनेक्शन प्रायोजित कर सकते हैं। योजना में तीन स्पॉन्सर स्कीम हैं, जिनमें 3 छात्रों को स्पॉन्सर करने के लिए 11 हजार वार्षिक शुल्क, 6 छात्रों को स्पॉन्सर करने के लिए 21 हजार रुपए वार्षिक शुल्क और 10 छात्रों को स्पॉन्सर करने के लिए 35 हजार वार्षिक शुल्क निर्धारित किया है।

बीएसएनएल के उप महा प्रबन्धक जे.पी.मीणा ने बताया कि दानदाता व्यक्ति और समूह इन योजनाओं के माध्यम से छात्रों को स्पॉन्सर कर सकते हैं। इस योजना के माध्यम से ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के छात्रों को डिजिटल शिक्षा के अवसर प्रदान किया जा रहा है। इससे डिजिटल विभाजन को कम किया जाएगा और विद्यार्थियों की ऑनलाइन संसाधनों, वर्चुअल कक्षाओं व शैक्षिक सामग्री तक पहुंच बन पाएगी। उनकी शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार होगा। इससे भविष्य में रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकेंगे।

70 वर्ष से अधिक आयु वाले नागरिक करवाएं आयुष्मान भारत पीएम जन आरोग्य योजना में पंजीयन

पूरे भारत में अधिकृत अस्पतालों में मिल सकेगा 5 लाख रुपए तक का निशुल्क इलाज

बूँदी । भारत सरकार की ओर से आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में 70 वर्ष या अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को जोड़ने की अनुमति के बाद प्रदेश सरकार ने भी मां योजना में एक नई श्रेणी शामिल कर कैशलेस उपचार की स्वीकृति प्रदान कर दी है। आयुष्मान प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत भारत में अधिकृत अस्पतालों में 5 लाख रुपए तक का उपचार निशुल्क हो सकेगा और राजस्थान में पूर्ववत योजना का लाभ मिलता रहेगा। सीएमएचओ ने बताया कि जिले में भी नवाचार करते हुए ऐसे नागरिकों को योजना में जोड़ने के लिए एक अहम पहल की है। जिलास्तर से निर्देश जारी किए गए हैं कि 70 वर्ष से अधिक आयु का कोई भी नागरिक किसी भी स्वास्थ्य केंद्र पर आता है तो उनका योजना में पंजीयन करवाया जाएगा।इसके साथ ही आमजन वरिष्ठ नागरिकों का पंजीयन पीएमजेएवाई एप के जरिए कर सकते है।ऑनलाइन ईकेवाइसी आसानी से एप के माध्यम से हो रही है। इसके साथ ही नजदीकी ई मित्र केंद्र पर जाकर भी योजना में पंजीयन करवाया जा सकता है! सीएमएचओ डॉ सामर ने बताया कि योजना के तहत 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जेएवाई) या मुख्यमंत्री आयुष्मान योजना के तहत उपचार के लिए आवेदन कर सकते हैं। राज्य सरकार द्वारा अधिकृत अस्पतालों में यह सुविधा प्रदान की जाएगी। इस योजना का खर्च राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी द्वारा वहन किया जाएगा। यह आदेश 29 अक्टूबर 2024 से प्रभावी है और केवल वन टाइम क्लेम के आधार पर लागू होगा। राज्य सरकार का यह कदम वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य सुधार और सामाजिक सुरक्षा में महत्वपूर्ण साबित होगा। वहीं 70 वर्ष से अधिक आयु वाले नागरिक योजना में पंजीकरण करवाने के बाद देश में किसी भी राज्य में जाकर पांच लाख रुपए तक का निशुल्क इलाज करवा सकेंगे। वहीं राज्य में पहले की भांति 25 लाख रुपए तक का स्वास्थ्य बीमा लाभ जारी रहेगा।

अर्बन कोऑपरेटिव बैंक की शाखा नैनवा रोड पर होगी शुरू

हिंदुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी । अर्बन कोऑपरेटिव बैंक की शाखा अब नैनवा रोड क्षेत्र में खोली जावेगी ।अर्बन बैंक अध्यक्ष सत्येश शर्मा ने बताया कि अर्बन बैंक संचालक मंडल अपने अंश धारीयों और खाताधारकों के विश्वास से लगातार प्रगति पथ पर अग्रसर है ।बैंक और भी अधिक लोगों तक अपनी सुविधाओं का लाभ देने हेतु अपनी शाखाओं का विस्तार करने की कार्य योजना पर लगातार कार्य कर रहा था, इस हेतु बैंक संस्थापक हरिमोहन शर्मा भी लगातार संचालक मंडल को निर्देशित करते रहते थे। भारतीय रिजर्व बैंक ने इस हेतु बूंदी अर्बन बैंक की शाखा नैनवा रोड बूंदी में चालू करने हेतु अपनी सहमति पर दी है। सत्येश शर्मा ने गत दिनों हुई संचालक मंडल की बैठक में जानकारी देते हुए सभी को बधाई दी और भारतीय रिजर्व बैंक का आभार जताया।

26वें परिचय सम्मेलन को लेकर अखिल भारतीय अग्रवाल सेवा उत्थान समिति की बैठक संपन्न हुई

हिंदुस्तान एक्सप्रेस

बारां। अखिल भारतीय अग्रवाल सेवा उत्थान समिति कोटा संभाग इकाई बारां जिला महिला मंडल द्वारा कोटा नयापुरा स्टेडियम में होने वाले विशाल 26वें परिचय सम्मेलन के संबंध में विचार विमर्श करने हेतु एक बैठक आयोजित की। महिला अध्यक्ष वर्षा गुप्ता, महामंत्री आशा सिंघल ने बताया कि मीटिंग की अध्यक्षता संभागीय अध्यक्ष मोहनलाल अग्रवाल की अध्यक्षता और संभाग कार्यकारी अध्यक्ष ज्योति बंसल उपस्थिति में की गई। इसी दौरान अग्रवाल समाज के गौरव भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य आनंद गर्ग व समाज सेविका मंजू आनंद गर्ग के द्वारा परिचय सम्मेलन रजिस्ट्रेशन का फॉर्म विमोचन किया गया।

आशा सिंघल महामंत्री एवं ममता गुप्ता वरिष्ठ उपाध्यक्ष ने बताया कि यह 26वां विशाल परिचय सम्मेलन बारां सहित पूरे हाडोती में एवं राजस्थान में अखिल भारतीय स्थल पर यह परिचय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। इस संबंध में 101 केंद्र बनाए गए हैं, जिन सभी केंद्रों पर रजिस्ट्रेशन फॉर्म उपलब्ध है फार्म जमा करने की अंतिम तिथि 25 दिसंबर रखी गई है। उन्होंने कहा है कि आज के युग में एक मंच उपलब्ध कराकर अपना जीवन साथी ढूंढने का अवसर उज्जवल खर्चों को बचाते हुए यह सराहनीय कार्य अग्रवाल समाज द्वारा आयोजित किया जा रहा है।

मीटिंग में संभाग कार्यकारी अध्यक्ष ज्योति बंसल, कमला मित्तल महिला अध्यक्ष कोटा, आशा अग्रवाल, अनिता अग्रवाल, भारती जैन व बारां जिले के पदाधिकारी सीमा गाडियां, स्मिता अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, ममता गुप्ता डॉली बंसल उपस्थित रहे। साथ ही बच्चों को गेम भी खिलाया गया जिसमें प्रथम पुरस्कार कार्तिक, द्वितीय पुरस्कार कृष्णा अग्रवाल, ओजस को दिया गया।

विशिष्ट है, बावड़ियों के शहर की ऐतिहासिक उपलब्धियाँ और अनुपम प्राकृतिक छटा : डॉ दाधीच

उमंग संस्थान की बूंदी विकास के आयाम विषयक परिचर्चा का हुआ आयोजन

ज्योतिष, कर्मकांड, कला और साहित्य में अग्रणी रही है, छोटी काशी

हिंदुस्तान एक्सप्रेस

बून्दी। उमंग संस्थान द्वारा साहित्य, अनुसंधान से जुड़े, वास्तु, ज्योतिष मर्मज्ञ काशी और जोधपुर से बूंदी प्रवास पर आए आचार्यगण के मुख्य आतिथ्य में वसुधैव कुटुंबकम तथा छोटी काशी बूंदी के विकास आयाम विषयक परिचर्चा का आयोजन किया गया। परिचर्चा को संबोधित करते हुए सूर्यनगरी ज्योतिष एवं वास्तु शोध संस्थान के अध्यक्ष डॉ भैरव प्रकाश दाधीच ने बूंदी की सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि आज वसुधैव कुटुंबकम की सार्थकता के लिए जनजागृति की आवश्यक है। डॉ. दाधीच ने बूंदी विकास के लिए आयामों की चर्चा करते हुए बताया कि बावड़ियों के शहर की ऐतिहासिक उपलब्धियाँ और अनुपम प्राकृतिक छटा विशिष्ट है आज इसकी वैश्विक मंच पर पहचान हेतु विश्व बंधुत्व की दिशा में सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों, अंतर-धार्मिक संवादों और बहुसांस्कृतिक शिक्षा को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

वहीं अपने संबोधन में काशी की विद्वत परिषद, वाराणसी के आचार्य पं. प्रवीण पांडे ने बूंदी व काशी के आध्यात्मिक व साहित्यिक संबंधों पर प्रकाश डाला उन्होंने कहा कि वीरों की पर्याय रही बूंदी ज्योतिष, कर्मकांड, कला और साहित्य क्षेत्र में अपनी विशिष्ट छवि के साथ अग्रणी रही हैं। संस्कृत के विद्वान बूंदी के प्रो. भोलाशंकर व्यास का उदाहरण देते हुए कहा कि उनकी साहित्य साधना के ज्ञान से वाराणसी में छोटी काशी की प्रतिष्ठा को मुखरित किया है। बूंदी प्रवास के अपने अनुभवों को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि यहां का वातावरण संस्कृति का पोषक व आत्मीयता का सूचक है। उमंग संस्थान द्वारा ईश्वरी निवास में आयोजित परिचर्चा में संस्थान उपाध्यक्ष विनोद कुमार गौतम ने बूंदी की कला संस्कृति साहित्य और ज्योतिषीय उपलब्धियों की जानकारी दी वहीं समन्वयक डॉ सर्वेश तिवारी ने उमंग संस्थान के प्रतिवेदन द्वारा संगठन का परिचय करवाया।

इससे पूर्व अतिथियों का अभिनंदन किया गया देवेंद्र गौतम, श्रीहनुमंत धाम महंत रोहित दास महाराज ने अतिथियों को दुपट्टा भेंट किया। डॉ अभिलेष शर्मा, राकेश माहेश्वरी, कमलेश शर्मा, कुश जिंदल, मनोज सोनी ने आचार्य प्रवीण पांडे तथा डॉ भैरव प्रकाश दाधीच का माल्यार्पण किया तथा शॉल ओढ़ाकर स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस दौरान बूंदी के पूर्व राजपरिवार के सदस्य महाराव राजा वंशवर्धन सिंह के प्रतिनिधि जय सिंह व जोगेंद्र सिंह ने विद्वजन का माल्यार्पण कर अभिनन्दन किया। परिचर्चा में वेद पाठी अनिल शर्मा, शिव कांत शर्मा, हेरंब जोशी सहित संगठन के उपाध्यक्ष विनोद कुमार गौतम, कमलेश शर्मा, डॉ अभिलेष शर्मा, राकेश माहेश्वरी, कुश जिंदल, मनोज सोनी ने अपने विचाराभिव्यक्ति दी। कार्यक्रम संचालन डॉ सर्वेश तिवारी ने किया। संस्थान सचिव कृष्णकांत राठौर ने आभार प्रकट किया।

आंदोलनकारी सैकड़ो किसानो की गिरफ़्तारी घोर निंदनीय : मनोज दुबे

हिंदुस्तान एक्सप्रेस

कोटा । भारतीय राष्टीय किसान महासभा के राष्टीय अध्यक्ष मनोज दुबे ने उत्तर प्रदेश के नोएडा में राष्टीय दलित प्रेरणा स्थल पर शान्तिपूर्ण तरीके से धरना दे रहे सैकड़ो किसानों की गिरफ़्तारी एवं जबरन धरना खत्म कराए जाने की घोर निन्दा करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार के इशारे पर पुलिस प्रशासन के द्वारा किसानो एवं महिलाओ पर बल प्रयोग को बेहद शर्मनाक बताया है। मनोज दुबे ने कहा की केंद्र सरकार की किसान विरोधी नीतियों ने किसानों को फिर सड़कों पर उतरने पर मजबूर कर दिया है। एमएसपी का अधिकार हो या ज़मीन अधिग्रहण का मुआवजा,हर मांग अनसुनी कर बैरिकेड और कीलें बिछाकर संवाद का रास्ता बंद करना भाजपा सरकार का तानाशाही पूर्ण रवैया दुर्भाग्यपूर्ण है। मनोज दुबे ने कहा की प्रशासन में किसानों के साथ धोखा किया है।पहले किसानो से सात दिन का समय मांगा फिर धरने पर बैठे आंदोलनकारी किसानों को पुलिस ने जबरन बल पूर्वक हिरासत में ले लिया।किसानों ने अपनी जमीने दी और बदले में किसानो को जेल भेजा जा रहा है।जो किसान विरोधी मानसिकता का प्रमाण है।भाजपा सरकार ने किसानो पर अत्याचार की सभी सिमाए पार कर दी है।

सांभरलेक, फुलेरा शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में दो दिन पानी की सप्लाई बाधित रहेगी, मुख्य पाईप लाइन में बड़ा लीकेज हुआ

हिंदुस्तान एक्सप्रेस/सांभरलेक।

पानी की सप्लाई अब बाधित रहेगी। सांभरलेक कस्बे में अब बुधवार और गुरुवार दो दिन पीने के पानी की आपूर्ति दो दिन नहीं होगी। कस्बे वासियों को पीने के पानी को सोच समझ कर उपयोग करना होगा। जलदाय विभाग के कनिष्ठ अभियंता ओम प्रकाश वर्मा ने बताया कि फुलेरा विधान सभा की बिसलपुर परियोजना की मुख्य पाइप लाईन 1000 एमएम में टोडारायसिंह के पास बडा लीकेज हो जाने के कारण सांभरलेक , फुलेरा शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में आगामी दो दिन बुधवार और गुरुवार को पेयजल आपूर्ति बाधित रहेगी।

लोगों की सुविधा के अनुरूप हो सीवरेज का कार्य- संदीप शर्मा

खराब सड़कों को तुरंत दुरूस्त करने के दिये निर्देश

हिंदुस्तान एक्सप्रेस

कोटा। विधायक संदीप शर्मा ने आज कोटा विकास प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ बालाकुंड क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान स्थानीय लोगों ने विधायक को बताया कि गत कई महीनों से सीवरेज ठेकेदार द्वारा सड़क को खोद कर सीवरेज पाईप लाईन डाली गयी थी लेकिन सीवरेज लाईन डालने के बाद आज तक इस सडक को दुरूस्त नहीं किया गया जिससे लोग दुर्घटना का शिकार हो कर चोटिल हो रहे हैं। इस पर विधायक शर्मा ने नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिकारियों को तुरंत सडक निर्माण करवाने के निर्देश देते हुए कहा कि विकास के काम हों लेकिन उसमें आम जन की सुविधा का पूरा ध्यान रखा जाये, महीनों तक सड़कें खुदी हुई पड़ी रहे, यह किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सीवरेज लाईन डालने के कार्य की मोनीटरिंग की जाये और संवेदकों को समयबद्ध काम करने के लिए पाबंद किया जाये, इसमें लापरवाही बरतने और घटिया निर्माण करने वाले संवेदक के खिलाफ शीघ्र कार्यवाही की जाये। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार के नमामी गंगे योजना के तहत सीवरेज पाईप लाईन कार्य की स्वीकृति दी थी लेकिन पूर्ववर्ती सरकार ने इस बड़ी परियोजना की निगरानी करने के बजाय जनता को ठेकेदारों के हवाले छोड़। सीवरेज पाईप लाईन डालने के भीषण लापरवाही बरती गयी, पूरे शहर को बेतरतीबी से खोद डाला तथा सडकें बदहाल स्थिति में पहुंच गयी, जिसका खामियाजा आम जनता को उठाना पड़ा, सैंकड़ों लोग दुर्घटना में घायल हो गये और दर्जनों लोग असमय ही काल के गाल में समा गये। उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को कहा कि सीवरेज लाईन डालने के बाद सड़क की मरम्मत में देरी करने वाले और घटिया मरम्मत करने वाले ठेकेदारों को खिलाफ नोटिस जारी कर वसूली की कार्रवाई की जाये, इस निर्माण से लोगों को असुविधा नहीं होनी चाहिए, रास्ते बन्द नहीं हो और लोगों का आवागमन सुगम होना। इस दौरान पूर्व पार्षद विनोद नायक, दीनू बंजारा, अंजू शर्मा, भवानी राजौरा, अक्षय चौधरी एवं अधिकारीगण उनके साथ उपस्थित थे।

पार्क का किया निरीक्षण

विधायक संदीप शर्मा ने महावीर नगर विस्तार योजना में अधिकारियों के साथ गणगौर पार्क का निरीक्षण किया। इस दौरान स्थानीय लोगों ने पार्क की बदहाल व्यवस्था के बारे में उन्हें अवगत कराया। लोगों ने बताया कि पार्क की चारदिवारी जगह जगह से टूटी पडी है, नगर विकास न्यास द्वारा लगाये गये घटिया गुणवत्ता का ऑपन जिम एक साल में ही टूट गया जिससे सुबह की सैर करने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पडता है।

हाड़ौती के लोकप्रिय गीतकार बाबू बंजारा को मोहन मंडेला स्मृति साहित्य सम्मान

हिंदुस्तान एक्सप्रेस

बारां। शाहपुरा में साहित्य सृजन कला संगम संस्थान के तत्वावधान में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान की ओर से राष्ट्रीय कवि संगम जिला बारां के संरक्षक एवं हाड़ौती अंचल के लोकप्रिय गीतकार व हास्य- व्यंग के कवि बाबू बंजारा को लोक कवि मोहन मंडेला स्मृति साहित्य सम्मान से नवाजा गया। राष्ट्रीय कवि संगम जिला बारां के अध्यक्ष दया चंद जैन एवं सचिव सोनू सुरीला ने बताया की इस अवसर पर शाहपुरा विधायक लालाराम बैरवा के मुख्य आतिथ्य व नगर परिषद् के सभापति रघुनंदन सोनी की अध्यक्षता रही वहीं विशिष्ट अतिथि शाहपुरा पुलिस उपाधीक्षक ओम प्रकाश विश्नोई, शिक्षाविद् चंद्रप्रकाश दुबे (कैकड़ी) उपस्थित रहे। कवियों ने अपनी- अपनी कविताओं के माध्यम से श्रोताओं को गुदगुदाया, वीर रस के कवियों ने श्रोताओं में जोश भरा, कार्यक्रम संयोजक कैलाश मंडेला ने संस्थान की गतिविधियों से अवगत कराया। राष्ट्रीय कवि संगम जिला बारां के मीडिया प्रभारी पीयूष परिंदा, नगर अध्यक्ष नाथू लाल निर्भय, सचिव सत्य नारायण शर्मा, सूरजमल मियाडा ने बताया की सम्मानित कवि बंजारा ने श्रोताओं की मांग पर ब्याण जी से लाडू बाटी की फरमाइश पर गीत सुनाया व वाह,, वाह,, दाद पायी। चित्तौड़गढ़ के गीतकार रमेश शर्मा ने "भूमिका ही सोधी खुशबू लागे है" एवं कवियत्री सपना सोनी ने "सरस्वती वंदना व तन हर की पौड़ी और मन काशी हो जाता है" कविता सुनाई। कवि दिनेश बंटी ने सुनाकर श्रोताओं का भरपूर मनोरंजन किया। शायर सम्पत कबीर ने भला हो हित का जिससे हमारी कौम जिन्दा है सुनाई तथा नाथद्वारा के लोकेश महाकाली सिच्येवेशन पोइट्री

व पं. सुनील व्यास बचपन की मस्तियों एवं अभावों जीने की रचना सुनाई। गीतकार सत्येन्द्र मण्डेला ने राजस्थानी में गीत से रोमांचित किया। मंच संचालन कवि राव अजातशत्रु ने किया। सम्मेलन के सूत्रधार एवं संयोजक डॉ. मडेला ने लोककवि मंडेला की रचना छब उबळक का पाठ किया। कवि बंजारा को मोहन मंडेला साहित्य सम्मान के तहत श्रीफल, शॉल, नकद राशि एवं मानपत्र दिया गया। राष्ट्रीय कवि संगम के कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष किशोरजी किशोर एवं उपाध्यक्ष डॉ. सुरेंद्र यादवेंद्र, बाल मुकुंद पुरोहित ने भी जन कवि बाबू बंजारा को मिले सम्मान पर खुशी जाहिर करते हुए बधाई दी।

कोटा में कुसुम बाल विद्यालय कुन्हाड़ी से उठी शाहबाद जंगल बचाने की आवाज

बारां। कोटा के कुन्हाड़ी स्थित कुसुम बाल विद्यालय के छात्र छात्राओं ने शाहबाद संरक्षित वन अभ्यारण्य क्षेत्र में काटे जाने वाले 1,18759 पेड़ों को काटे जाने से रोकने हेतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर पर्यावरण संरक्षण के लिए अपनी आवाज उठाई है। लगभग 250 छात्र छात्राओं ने शाहबाद जंगल बचाओ आंदोलन का समर्थन करने का बिगुल बजाया है।

कुसुम बाल विद्यालय कुन्हाड़ी के संचालक श्री किशन शर्मा ने बताया कि " आज मंगलवार को नयापुरा पोस्ट ऑफिस में जाकर छात्र छात्राओं ने प्रधामनंत्री नरेन्द्र मोदी को शाहबाद संरक्षित वन में ग्रीनको एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा हाइड्रो पावर प्लांट लगाए जाने हेतु 150 से 200 वर्ष पुराने जंगलों को बचाने हेतु हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है।"

प्राचार्या सुश्री सुशीला शर्मा ने बताया कि" छात्र छात्राओं द्वारा विगत कई दिनों से पोस्टकार्ड अभियान चलाया जा रहा था।जिसके पूरा होने पर आज शाला परिवार के साथ जाकर रैली का आयोजन कर नयापुरा पोस्ट ऑफिस में जाकर पत्र पोस्ट किए।"

संचालक किशन शर्मा ने कहा कि"छात्र छात्राओं ने अपने जंगलों को बचाने के लिए आवाज उठाई है जो समय आने पर रंग लाएगी ।हमारे द्वारा निजी विद्यालयों को इस अभियान से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है जिसमें कोटा जिले के सभी निजी विद्यालय शामिल होंगे और शाहबाद घाटी संरक्षण संघर्ष समिति के आंदोलन को बल भी मिलेगा और पर्यावरण संरक्षण भी होगा।ज्ञातव्य है कि इस अभियान को शुरू करने में कोटा के पर्यावरण विद श्री बृजेश विजयवर्गीय ने कोटा जिले भर में पहल की है।

रामनगर कंजर कॉलोनी उच्च माध्यमिक विद्यालय में चोरी

हिंदुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी। सदर थाना क्षेत्र के रामनगर गांव स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में चोरी का मामला सामने आया है। शिक्षकों ने बताया कि आज जब विद्यालय पहुचे तो देखा कि आंगनबाड़ी केंद्र और दो कमरे के ताले टूटे हुए थे। कमरों में से दूध के डिब्बे पोषाहार दो बड़े भागों में चम्मच बाल्टिया एक स्टील की टंकी चोर चुरा कर ले गए। विद्यालय के शिक्षक हनुमान ने बताया कि चोर अपने साथ ट्रैक्टर ट्राली लेकर आए थे क्योंकि उसके निशान ग्राउंड में नजर आ रहे हैं चोरों ने बैठकर यहां गांजा पिया उसके बाद चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान व राज. तकनीकी विश्वविद्यालय के मध्य एमओयू

ज्ञान और कौशल के विकास मोर्चे पर आरटीयू की विद्यार्थी बनेंगे सशक्त - प्रो.एस.के. सिंह,कुलपति

हिंदुस्तान एक्सप्रेस

कोटा। सीएसआईआर -केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई), नई दिल्ली और राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय (आरटीयू), कोटा के मध्य गुवाहाटी में भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसएफ) 2024 के दौरान सीएसआईआर मंडप में सहयोगात्मक अनुसंधान हेतु एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) संपन्न हुआ। आरटीयू के सह जनसंपर्क अधिकारी विक्रम राठौड़ ने बताया कि सीएसआईआर-सीआरआरआई के निदेशक प्रो. मनोरंजन परिदा और आरटीयू के कुलपति प्रो.एस.के. सिंह ने सीएसआईआर के महानिदेशक और भारत सरकार के डीएसआईआर के सचिव डॉ. एन. कलैसेलवी की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन को औपचारिक रूप दिया। इस समारोह में संस्थान के शीर्ष वैज्ञानिक के साथ मुख्य वैज्ञानिक और सूचना, संपर्क और प्रशिक्षण प्रमुख डॉ. रवींद्र कुमार सहित वैज्ञानिकों और तकनीकी अधिकारियों ने भी भाग लिया।

इस अवसर पर दोनों पक्षो नें आपसी सहयोग, संयुक्त कार्यक्रमों और कौशल विकास के असिमित अवसरों पर सहमति जताई हैं। दोनों पक्षो नें द्विपक्षीय संबंधों को और अधिक गहरा करने, जीवंत साझेदारी को मज़बूत करने तथा शिक्षा, कौशल विकास, गहन तकनीकी अनुसंधान एवं पारस्परिक हित के विभिन्न क्षेत्रों में जुड़ाव बढ़ाने के बारे में भी सार्थक बातचीत की। इस का उद्देश्य सड़क अवसंरचना, परिवहन प्रणाली, पर्यावरणीय स्थिरता और सिविल इंजीनियरिंग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अनुप्रयोग के क्षेत्र में अनुसंधान और शैक्षणिक तालमेल को मजबूत करना है। कुलपति प्रो. एसके सिंह ने कहा की निःसन्देह यह आपसी साझेदारी तकनीकी विश्वविद्यालय की शोध यात्रा को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। शोध-अनुसंधान, नवाचार और हमारी तकनीकी शिक्षा के विद्यार्थियों का इसमें सक्रिय योगदान हमारे शिक्षा व्यवस्था की चहुमुखी उन्नति के आधार स्तम्भ है। यह एमओयू दोनों तकनीकी संस्थानों के बीच शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर समन्वय और साझेदारी की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

तकनीकी शिक्षा के छात्र इस सहयोग से विशेष रूप से लाभान्वित होंगे। यह एमओयू इंजिनियरिंग शिक्षा के क्षेत्र में नए अवसर प्रदान करेगा। इस अवसर पर बोलते हुए, प्रो. परिदा ने इस साझेदारी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, "यह समझौता ज्ञापन सहयोगी अनुसंधान, अकादमिक आदान-प्रदान और अत्याधुनिक तकनीकों के एकीकरण के माध्यम से सड़क और परिवहन इंजीनियरिंग में दबाव वाली चुनौतियों का समाधान करने में एक मील का पत्थर है।

समाज में विश्वास और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस को सजग, सर्तक और मजबूत होना आवश्यक - सुमित मेहरडा

पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरडा के नेतृत्व में जिला स्तरीय पुलिस ऑफिसर्स सम्मेलन हुआ आयोजित

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

» धौलपुर ... पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक में निर्देश देते जिला पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरडा

धौलपुर। 58 वें पुलिस महानिदेशक/ महानिरीक्षक पुलिस सम्मेलन-2023 की सिफारिश की अनुपालना में मंगलवारको जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिले के आला पुलिस अधिकारियों की जिला स्तरीय पुलिस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई।

जिला पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरडा ने बताया है कि पुलिस ऑफिसर्स कॉन्फ्रेंस में अपराध के बदलते स्वरूप, न्यू किमिलन लॉज, साइबर सुरक्षा एवं साइबर अपराध, संगठित अपराध, अन्तर्राज्यीय गैंग, गैंगस्टर एवं अपराध नियंत्रण, महिलाओं, बच्चों व कमजोर तबके के लोगों के विरूद्व होने वाले अपराध पर नियंत्रण, कम्युनिटी पुलिसिंग, सोशल मीडिया एवं जनता के मध्य सहयोग एवं सहभागिता, नये कानूनों की पालना में आने वाली समस्याओं, जिले में सडक सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था आदि विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श व मंथन किया गया है।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने पुलिस अधिकारियों से कहा कि पुलिस के सामने पारदर्शिता बनाए रखने, ग्रामीण क्षेत्रों में चुनौतियों से निपटने और आधुनिक तकनीकी उपायों को अपनाने की महत्वपूर्ण चुनौती है इसके साथ ही सोशल मीडिया का उपयोग भी अपराध नियत्रंण में महत्वपूण भूमिका निभा रहा है। नवाचार और तकनीकी साक्ष्य के साथ-साथ पुलिसिंग में सुधार की दिशा में कई नए कदम उठाये जा रहे है। समाज में विश्वास और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस को सजग, सर्तक और मजबूत होना आवश्यक है. जिससे पुलिस अधिकारियों को और अधिक दक्षता के साथ कार्य करने का अवसर मिलेगा। साथ ही भविष्य में होने वाले अभियानों में यह कार्यप्रणाली महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी।

जिला स्तरीय पुलिस सम्मेलन में अति. पुलिस अधीक्षक मनोज शर्मा, अति. पुलिस अधीक्षक एडीएफ मुख्यालय बाडी कमलकुमार जांगिड, अति. पुलिस अधीक्षक सिकाउ प्रकोष्ठ हवा सिंह ने भी अपने विचार रखें। जिला स्तरीय पुलिस सम्मेलन के उपरांत पुलिस अधीक्षक ने पुलिस अधिकारियों की काइम मीटिंग लेकर जिले में कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा कर साल का अंतिम माह होने के कारण लंबित चल रहे सभी प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिये है। इस दौरान वृत्ताधिकारी वृत्त धौलपुर मुनेश मीणा, वृत्ताधिकारी वृत्त मनियां राजेश शर्मा, वृत्ताधिकारी वृत्त सैंपउ अनूप सिंह, वृत्ताधिकारी वृत्त बाडी महेन्द्र सिंह सहित जिले के सभी थानों के थानाधिकारीगण उपस्थित रहें।

» धौलपुर ... अधिकारियों को निर्देशित करते जिला कलक्टर श्रीनिधि बीटी

राज्य सरकार की पहली वर्षगांठ पर होने वाले कार्यक्रमों में आमजन की भागीदारी सुनिश्चित की जाये - श्रीनिधि बीटी

साप्ताहिक समीक्षा बैठक सम्पन्न

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। जिला कलेक्टर श्रीनिधि बी टी ने राज्य सरकार की वर्षगांठ के अवसर पर 11 दिसंबर से 15 दिसम्बर तक आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों के संबंध में सभी विभागां एवं संबंधित नोडल अधिकारियों को विस्तृत निर्देश दिये। जिला कलेक्टर सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि 12 दिसम्बर को आयोजित होने वाली रन फॉर विकसित राजस्थान, युवा सम्मेलन, रोजगार उत्सव, विकास प्रदर्शनी, 13 दिसम्बर को आयोजित होने वाले किसान सम्मेलन कार्यक्रम, 14 दिसम्बर को आयोजित होने वाले अंत्योदय सेवा शिविर एवं महिला सम्मेलन तथा 15 दिसम्बर को आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम के संबंध में सभी तैयारियां पूर्ण कर ली जायें एवं अधिक से अधिक आमजन की भागीदारी सुनिश्चित की जाये।

उन्होंने सभी विभागों को लोक मामलों से संबंधित कार्यों में स्फूर्त ढंग से कार्य करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने राजस्थान संपर्क पोर्टल पर लंबित चल रहे प्रकरणों, जनसुनवाई मे प्राप्त प्रकरणों का समय पर निस्तारण करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि संपर्क पोर्टल पर दीर्घकाल से लंबित प्रकरणों का निस्तारण कराया जाए, औसत निस्तारण समय में कमी की जाये एवं परिवादों का गुणवत्तापूर्वक निस्तारण कर परिवादियों को राहत एवं संतुष्टि प्रदान की जाये।

साथ ही उन्होंने 15 सूत्रीय कार्यक्रम प्रगति के क्रियान्वयन एवं मॉनिटरिंग के संबंध में समीक्षा की । उन्होंने बैठक में अल्पसंख्यकों के कल्याणार्थ विभिन्न योजनाओं के 15 सूत्रीय कार्यक्रम के बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने अल्पसंख्यक वर्गों को विभिन्न विभागों द्वारा समुउिचत लाभ देने एवं सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने हेतु अल्पसंख्यक समुदाय को प्रेरित करने हेतु निर्देश दिये। अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने अल्पसंख्यक क्षेत्रों में आंगनबाड़ी केन्द्रों की स्थिति, अल्पसंख्यक वर्गों को रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण, अल्पसंख्यक वर्ग के छात्रावास के निर्माण कार्य की प्रगति, प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति सहित अल्पसंख्यक वर्गों को देय अन्य छात्रवृत्ति के बारे में विस्तृत जानकारी दी। बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर धीरेंद्र सिंह, उपखण्ड अधिकारी साधना शर्मा, सीएमएचओ डॉ जयंतीलाल मीणा सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

» राजाखेड़ा ... बाल संसद में उपस्थित स्कूली बच्चे व विद्यालयकर्मी

रा.उ.मा.वि शाहपुरा में हुआ बाल संसद का चुनाव

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

राजाखेड़ा। गत दिवस विगत दिवस को राजकीय उच्च माध्यमिक विध्यालय शाहपुरा में मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन व दा हंस फाउंडेशन के तत्वाधान में बाल संसद चुनाव का सफल आयोजन किया गया। जिसमें देवेन्द्र कुमार त्यागी, (प्रधानाचार्य) और अरविंद, अजीत सिंह, रामकुमार कटारा, विजेंद्र, सतेंद्र, नरेश चन्द विजय शंकर सिंह, बनवारी लाल शर्मा, सोबरन सिंह, वेदप्रकाश, संजय, रामविनोद, कुलदीप प्रताप सिंह, सभी शिक्षकों का पूर्ण सहयोग रहा। बाल संसद चुनाव गतिविधि के गठन मे कक्षा 6 से 12 तक के विध्यार्थियों ने इस गतिविधि में भाग लेकर अपना मतदान कर इसके महत्व को समझ कर वोट दिया।

इस गतिविधि के दौरान मैजिक बस से जीवन कौशल प्रशिक्षक पवन कुमार, सुशील, रणजीत गिरी एवं बलवीर सिंह मौजूद रहे प्रधानाचार्य देवेन्द्र कुमार त्यागी सर ने मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन धौलपुर की प्रशंशा की और सभी विधार्थियों को चुनाव और सभी कार्यों के बारे मे विस्तार पूर्वक बताया ताकि आगे के समय में सभी को पूर्ण नेत्रत्व क्षमता का विकास कर निर्णय लेना सीख पाए। विद्यार्थियों को चुनाव आयोग द्वारा किस प्रकार से चुनाव प्रक्रिया से चुनाव कराया जाता है इसके बारे में और एक सामान्य नागरिक किस प्रकार चुनाव प्रक्रिया के माध्यम से सरकार मे अपना महत्व प्राप्त करता है और राजनैतिक व्यवस्था के बारे में जानकारी दी , उन्हे सीधे उनके जीवन से जुड़े मामलों विशेषकर शिक्षा क्षेत्र में भाग लेने में सक्षम बनाना, नेत्रत्व और निर्णय लेने की क्षमता विकसित करना, विद्यालय विश्वविद्यालय और प्रबंधन करने में भागीदारी सुनिश्चित करना आदि के लिए बाल संसद चुनाव का गठन जरूरी है। प्रधानाचार्य देवेन्द्र कुमार त्यागी सर ने विद्यालय मे ऐसी गतिविधि को आगे से भी जारी रखने लिए कहा, मतदान के उपरांत वोटों की गिनती की गई जिसमें कक्षा 8 की छात्रा अंजली सर्वाधिक वोट प्राप्त कर प्रधानमंत्री बनी। साथ ही अन्य मंत्रियों को भी शपथ दिलाई। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर प्रधानाचार्य देवेंद्र कुमार त्यागी ने मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन के छात्र हितों में किए जा रहे प्रयासों की प्रसंसा की।

25 हजार रुपये के इनामी बदमाश को कंचनपुर पुलिस ने पकड़ा

» बाड़ी ... पुलिस द्वारा दबोचा ईनामी बदमाश

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बाड़ी। उपखंड की कंचनपुर थाना पुलिस ने कॉन्स्टेबिल रामनिवास और सोनवीर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए थाने के हिस्ट्रीशीटर एवं 25 हजार रुपए के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। गिरफ्त में आए बदमाश की कंचनपुर पुलिस को लूट के मामले में तलाश थी। जो घटना के बाद से फरार चल रहा था।

कंचनपुर थाना अधिकारी शैतान सिंह ने बताया की थाने के कांस्टेबल रामनिवास और सोमवीर को जरिए मुखबिर सूचना मिली कि थाने का हिस्ट्रीशीटर एवं लूट का आरोपी इकबालपुर रोड पर घेसुआ गांव के श्मशान घाट के पास देखा गया है। उक्त सूचना पर टीम मौके पर रवाना की गई। पुलिस टीम ने गांव घेसुआ के श्मशान घाट के पास से आरोपी इनामी बदमाश लाखन पुत्र सोवरन गुर्जर निवासी सुके का पूरा को गिरफ्तार किया है। गिरफ्त में आए बदमाश के खिलाफ कंचनपुर थाने पर दर्ज एफआईआर संख्या 402 / 24 में दर्ज धारा 309 (4) के लूट के मामले में ओ लेकर पूछताछ की जा रही है। आरोपी घटना के बाद से फरार था।। उक्त आरोपी पर धौलपुर एसपी द्वारा 25 हजार का इनाम घोषित है। जानकारी मिली है कि आरोपी पर चोरी और नकबंजनी के कई अन्य मामले जिले के साथ अन्य राज्यो के थानों में दर्ज है। जिसकी जानकारी की जा रही है।

» धौलपुर ... स्थापना दिवस पर मचकुण्ड सफाई करने पहुंचे होमगार्ड अधिकारी व जवान

होमगार्ड स्थापना दिवस पर जवानों ने की मचकुंड सरोवर की साफ सफाई

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। राजस्थान गृह रक्षा दल स्थापना दिवस के अवसर पर होमगार्ड स्वयंसेवकों द्वारा मचकुंड तीर्थ स्थल पर राष्ट्रीय स्वक्षता अभियान के तहत मंगलवार को प्रातः 8 बजे से 10:30 बजे तक मचकुंड सरोवर की साफ सफाई की। जिसमें सभी स्वयंसेवकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया कमांडेंट भानु शर्मा ने सफाई के महत्व को समझाया एंव होमगार्ड स्वयंसेवकों को साफ सफाई रखने व टीम के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया एवं डिप्टी कमांडेंट रामगोपाल ने कहा कि होमगार्ड स्थापना दिवस के अवसर पर 6 दिसंबर तक कार्यक्रम होते रहेंगे। इसी कड़ी में 4 दिसंबर को बाईक रेली निकाली जाएगी। इस अवसर पर कमांडेण्ट डॉक्टर भानू शर्मा, डिप्टी कमांडेण्ट रामगोपाल सागर, वरिष्ठ लिपिक हरेंद्र चौधरी, वाहन चालक मानसिंह सहित विभाग के सभी स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

दिव्यांगजनों के लिए विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार 3 दिसंबर को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, धौलपुर के न्याय रक्षक (सहायक एलएडीसी) दीपक सिंह सिकरवार एवं आराधना शर्मा ने मयूरी विशेष विधालय, धौलपुर मे दिव्यांगजनो के लिए विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया। जिसमे दीपक सिरकवार ने उपस्थित दिव्यांगजनो को बताया कि दिव्यांगजन अधिकार (संशोधन) नियम, 2024 को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने 19 जून, 2024 को अधिसूचित कर दिया था. ये नियम तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं. इन नियमों का मकसद दिव्यांग व्यक्तियों के लिए पहुंच में सुधार करना और बेहतर सेवाएं देना है। इसी प्रकार सुश्री आराधना शर्मा ने उपस्थित दिव्यांगजनो के लिए न्क्प्क् पोर्टल नए नियमों के तहत, निर्दिष्ट दिव्यांगता वाले व्यक्ति न्क्प्क् पोर्टल के माध्यम से दिव्यांगता प्रमाण पत्र और न्क्प्क् कार्ड के लिए आवेदन कर सकते हैं। वे अपने जिला चिकित्सा अधिकारियों या उन चिकित्सा सुविधाओं में आवेदन जमा कर सकते हैं जहाँ वे उपचार करवा रहे हैं। जागरूकता शिविर मे डॉ. राधेश्याम गर्ग, डॉ. भूपेन्द्र पाराशर, ललित शर्मा, पीयूष पाराशर, राकेश, दिनेश, मुक्ति त्यागी, कामनी, ललिता एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के स्टेनो राहुल दण्डोतिया, वरिष्ठ सहायक जगदीश सिंह जादौन आदि लोग उपस्थित रहें।

राजस्थान किसान आयोग के अध्यक्ष आयेंगे धौलपुर

समीक्षा बैठक और कृषक संवाद की करेंगे अध्यक्षता

धौलपुर। राजस्थान किसान आयोग के अध्यक्ष एवं पूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री, वाणिज्य एवं उद्योग और उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण भारत सरकार श्री सी. आर. चौधरी 4 दिसम्बर बुधवार को धौलपुर में कृषक संवाद कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। अतिरिक्त जिला कलक्टर धीरेन्द्र सिंह ने बताया कि श्री सी. आर. चौधरी की अध्यक्षता में 10:30 बजे जिला कलक्टर कार्यालय में समीक्षा बैठक आयोजित की जायेगी एवं उसके पश्चात 12 बजे सिंघारा पैलेस सैंपऊ रोड़ धौलपुर में कृषक संवाद कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।

» बाड़ी ... मतदाता सूची अपग्रेडेशन कार्यक्रम में उपस्थित डीएम श्रीनिधि बीटी व अन्य अधिकारीगण

मतदाता सूचियों के अपग्रेडेशन को लेकर विशेष अभियान का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

बीएलओ से जानी प्रोग्रेस रिपोर्ट,14 दिसम्बर तक लक्ष्य अर्जित करने के निर्देश

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बाड़ी। शहर में मंगलवार को धौलपुर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीनिधि बीटी ने विधानसभा के समस्त बीएलओ और सुपरवाइजर की एक बैठक का आयोजन शहर के किला परिसर स्थित सीनियर सेकेंडरी स्कूल प्रांगण में किया। इस दौरान कलेक्टर ने सभी बीएलओ को निर्देश दिए के वे अपने निर्धारित लक्ष्य की शत प्रतिशत पूर्ति 14 दिसंबर तक करें। जिससे धौलपुर जिला निर्वाचन विभाग द्वारा चलाए गए विशेष संक्षिप्त मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम में प्रथम स्थान अर्जित कर सके। वर्तमान में जिले का राज्य में चौथा स्थान चल रहा है। कलेक्टर ने सभी बीएलओ को संबोधित करते हुए कहा कि वे मतदाता सूची अपग्रेड करने के दौरान बीएलओ नव मतदाता की हेल्थ,उसकी सही आयु एवं जेंडर सही रूप से अंकित करें। जिससे मतदाता सूचियां के इस अपग्रेडेशन कार्यक्रम में कम से कम त्रुटि हो। उन्होंने नव मतदाता, वयस्क, बुजुर्ग, महिला, पुरुष सभी मतदाताओं को लेकर विशेष जानकारी सभी बीएलओ को दी।

कलेक्टर श्रीनिधि बीटी ने बैठक के बाद बताया कि राज्य निर्वाचन विभाग द्वारा विशेष संक्षिप्त मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम 2025 चल रहा है। जिसमें 14 दिसंबर तक सभी सूचियां का अपग्रेडेशन करना है। बीएलओ को जो निर्धारित लक्ष्य दिया है। उसे समय रहते पूरा करने के निर्देश दिए है। जिसको लेकर आज बाड़ी विधानसभा की प्रोग्रेस रिपोर्ट जानने के लिए यह बैठक आयोजित की है। उक्त बैठक में शत प्रतिशत लक्ष्य अर्जित करने वाले तीन बीएलओ को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया है।

उक्त बैठक में विधानसभा के 261 बीएलओ और 24 सुपरवाइजर मौजूद रहे। बैठक के दौरान प्रशिक्षु आरएएस हेमंत कुमार घनघोर, एसडीएम अजय कुमार मीणा, तहसीलदार उत्तमचंद बंसल,पंचायत समिति के विकास अधिकारी रामबोल सिंह,सीडीपीओ अर्पित श्रीवास्तव,शिक्षा विभाग के सहायक शिक्षा अधिकारी अजय कुमार कौशिक, आरपी सुरेश भारद्वाज सहित तमाम अधिकारी मौजूद रहे।

4 दिसम्बर को होगा कृषकों का किसान आयोग के अध्यक्ष से संवाद

धौलपुर। जिले में राजस्थान किसान आयोग के तत्वावधान में 4 दिसंबर बुधवार को दोपहर 12 बजे कृषक संवाद कार्यक्रम सिंघारा पैलेस सैपऊ रोड धौलपुर में आयोजित किया जायेगा, जिसमें जिले के कृषकों, उद्यानिकी कृषकों, पशुपालकों, कुक्कुट पालकों, मत्स्य पालकों, कृषि एवं उद्यानिकी तथा पशुपालन में कार्य करने वाली स्वयंसेवी संस्थाओं, जिले के किसानों संघों, मंडी श्रमिकों तथा किसान संगठनों, स्वयं सेवी संस्थाओं एवं अन्य स्टेक होल्डर्स से समस्याओं की जानकारी प्राप्त करने के लिये राजस्थान किसान आयोग के अध्यक्ष श्री सी. आर. चौधरी की अध्यक्षता में कृषक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। संवाद कार्यक्रम के दौरान कृषि एवं सम्बन्ध विभागों के स्थानीय अधिकारी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे।

राजाखेड़ा : तहसीलदार टिकेंद्र सिंह ने एजेंसी के विरुद्ध थाने में कराई एफआईआर दर्ज

अवैध ले जाए जा रहे हैं 780 कट्टे चावलों का मामला

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

फाइल फोटो

राजाखेड़ा। राजाखेड़ा कस्बे में सोमवार को उपखंड प्रशासन ने 780 कट्टे करीब चावल को सील कराया हैं। चावल के कट्टों को लेकर प्रशासन को अवैध रूप से बाहरभेजे जाने के बारे में सूचना मिली थी जिन चावलों के कट्टों को ट्रक नंबर आरजे 09, जीसी 5141 मैं पल्लेदारों के द्वारा लादा जा रहा था मौके पर पहुंचे प्रशासन अधिकारी तहसीलदार टिकेंद्र सिंह एवं पटवारी गणौ व प्रशासन ने ट्रक में लादे जा रहे कट्टों को भी नीचे उतरवाया एवं चावलों के कटटौकी गिनती कराई गई मामले को लेकर राजाखेड़ा तहसीलदार टिकेंद्र सिंह ने बताया कि जिला प्रशासन को राजाखेड़ा में बड़ी मात्रा में चावल अवैध रूप से बाहर भेजे जाने के बारे में सूचना मिली थी जिसके बाद जिला कलेक्टर के निर्देश पर राजाखेड़ा के पिनाहट वाले तिराहे के पास स्थित एक अनाज की आढ़त पर पहुंचकर जांच पड़ताल की जहां ट्रक में चावल के कट्टे लोड पाए गए। वहीं दुकान के गोदाम में भी चावल के कट्टे रखे हुए थे। जब चावलों को लेकर वहां मौजूद व्यापारी से पूछताछ की गई तो वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। तहसीलदार ने बताया कि फिलहाल ट्रक में लोड चावलों को कट्टों को वापिस गोदाम में रखवाया गया और 780कटटे चावल को सील किया गया है। विश्वस्तसूत्रों से मिली जानकारी मैं बताया गया है कि यह कारोबार एक अनाजकी आडत की आड़ में गत काफी समय पूर्व से चलाया जा रहा है एवं उत्तर प्रदेश में राशन की दुकानों पर मिलने वाले चावलों को उत्तर प्रदेश से लाकर के बाहर अन्यराज्यों को भेज कर धनोपाजर्न किया जा रहा था यह साफ दिखाई देता है कि रंग-बिरंगे प्लास्टिक के तरह-तरह के कट्टों में लाल पीले हरे नीले सफेद रंग के प्लास्टिक बैगों में चावल को लाकर के बाहर भेजा जाता था यदि यदि यह धोखा माल किसी अन्य जगह से खरीदा जाता था तो इसकी एक ही कलर में पैकिंग होती थी यह साफ दिखाई देता है कि उत्तर प्रदेश में राशन पर बैठने वाले चावलों को लाकर के बाहर भेजा जा रहा था फिलहाल राजाखेड़ा तहसीलदार टिकेंद्र सिंह द्वारा थाने के अंदर दी गई तहरीर के आधार पर पारसनाथ एजेंसी के विरुद्ध मुकदमा नंबर 412/धारा धारा 3 / 7 पंजीकृत किया गया है जिसकी जांच राजाखेड़ा थाना इंचार्ज वीर सिंह गुर्जर कर रहे हैं।

मात्र 20 रुपये के प्रीमियम पर कर सकते हैं स्वयं और परिवार को सुरक्षित

धौलपुर। केन्द्र सरकार द्वारा प्रत्येक नागरिक को विशेषकर गरीब एवं समाज के वंचित वर्ग को अत्यल्प वार्षिक प्रीमियम पर दो जन सुरक्षा योजना प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। योजनाओं के अन्तर्गत 436 रुपये वार्षिक प्रीमियम पर 2 लाख रुपये का साधारण बीमा एवं 20 रुपये वार्षिक प्रीमियम पर 2 लाख रूपये का दुर्घटना बीमा उपलब्ध करवाया जायेगा। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में कवरेज हेतु अभिदाता की आयु 18 से 50 एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में कवरेज हेतु 18 से 70 वर्ष निर्धारित की गई है। जिले में ग्राम पंचायत स्तर पर 15 जनवरी 2025 तक दोनों योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु अभियान चलाया जा रहा है। पात्रता रखने वाले जिले के सभी नागरिक दोनों योजनाओं के अन्तर्गत नामाकन कराते हुऐ बीमा कवरेज करवा सकते हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक - चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए आकाशदीप प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स, सेक्टर 11 अग्रवाल फार्म, जयपुर (राज.) राजस्थान से मुद्रित एवं जी-१, गंगासागर अपार्टमेंट, बी-192, गंगासागर कॉलोनी, आम्रपाली मेन रोड, वैशाली नगर जयपुर (राज.) से प्रकाशित आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2013/48948
प्रधान सम्पादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे मोबा. 9425126060 । स्थानीय संपादक गौतम गोस्वामी मोबा. 9772455444, प्रबंध संपादक बेनी प्रकाश खोरानिया मोबा. 9549977995 : पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए स्थानीय सम्पादक जिम्मेवार। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर न्यायालय होगा।